केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

लोगों ने समझाया था कि समय बदलता है, लेकिन समय ने समझाया कि लोग भी बदलते हैं...!

वर्ष 13 अंक 280 | उज्जैन, शनिवार 25 मार्च 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

राहुल गांधी न्यायपालिका से ऊपर नहीं, अनुराग बोले, राहुल एक नही सात मामलों में जमानत पर

नई दिल्ली/जीएनएस। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता पर कोर्ट के निर्णय को लेकर कांग्रेस के विरोध को अनुचित ठहराते हुए राहुल गांधी की लोकसभा से डिसक्वालिफिकेशन को संविधान व न्यायसंगत बताया है। भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी झूठ का पुलिंदा हैं। झूठे आरोप लगाना, बदनाम करना, अपमानित करना और आगे बढ़ जाना राहुल गांधी जी की आदत बन गई है। वह अपने आप को देश से बड़ा समझते हैं। अपने को संवैधानिक संस्थाओं से बड़ा समझते हैं। न्यायालय से बड़ा समझते हैं। संसद से बड़ा समझते हैं। राहुल गांधी जी खुद कह रहे थे कि वह दुर्भाग्यवश सांसद हैं। अब उनको उस दुर्भाग्य से मुक्ति मिल गई है। उनके साथ-साथ वायनाड के लोगों को भी इससे छुटकारा मिल गया है। 2018 में भी राहुल ने सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगी थी, तो कोर्ट ने कहा था कि आप भविष्य में ऐसा मत कीजिए लेकिन उसके बावजूद उन्होंने 2019 में भी मोदी सरनेम को लेकर जो कमेंट किया, यह मोदी जी के लिए गाली थी, यह पूरे ओबीसी समाज के लिए था, पिछड़े वर्ग के लिए था, यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

प्रतिबंधित संगठन का सदस्य होना भी अपराध, सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए कानून पर पलटा 2011 का फैसला

नई दिल्ली/जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) कानून के तहत प्रतिबंधित संगठनों की सदस्यता पर अपने ही 12 साल पुराने फैसले को गलत करार दिया। कोर्ट केंद्र और असम सरकार की रिव्यू पिटीशन पर फैसला सुना रहा था। जस्टिस एमआर शाह, सीटी रविकुमार और संजय करोल की बैंच ने 2011 में दिए फैसले को खारिज कर दिया। बैंच ने कहा कि यदि कोई प्रतिबंधित संगठन का सदस्य है, तो उसे अपराधी मानते हुए यूएपीए के तहत कार्रवाई की जा सकती है। यानी उसके खिलाफ भी मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने आठ फरवरी को रिव्यू पिटीशन पर सुनवाई शुरू की थी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, सीनियर एडवोकेट संजय पारिख को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

मिट्टी में मिला दिया दुष्कर्म के आरोपी का मकान, प्रशासन और थाना प्रभारी के सामने चला बुलडोजर

सतना/जीएनएस। महिला से दुषकर्म और हत्या करने वाले दरिंदे का मकान प्रशासन की मौजूदगी में मिट्टी में मिला दिया गया। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के सतना जिले के उचेहरा थाना क्षेत्र के रामपुर पाठा गांव में दुष्कर्म और हत्या के आरोपी के दो मंजिला मकान को आज प्रशासन द्वारा जमींदोज कर दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार एक महिला से दुष्कर्म और उसकी हत्या करने के आरोपी मोनू सिंह गोंड़ के मकान को सुबह बुलडोजर से गिरा दिया गया। यह कार्रवाई उचेहरा के अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) हेमकरण धुर्वे की मौजूदगी में की गई। इस दौरान थाना प्रभारी सहित पुलिस बल मौजूद रहा।

सीरिया से दोस्ती करेगा सऊदी अरब, ईद के बाद होगी बड़ी शुरुआत, खुल सकती हैं एंबेसी

रियाद/जीएनएस। रमजान का महीना शुरू हो गया है और इस बीच इस्लामिक दुनिया में एकता का माहौल बनता दिख रहा है। पिछले दिनों ही ईरान के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को बहाल करने का ऐलान कर सऊदी अरब ने बड़ी पहल की थी। शिया और सुन्नी जमात के अगुवा दोनों देशों की नजदीकी वैश्विक राजनीति के लिहाज से भी बेहद अहम है। अब इसी कड़ी में सऊदी अरब ने सीरिया के साथ भी अपने कूटनीतिक संबंधों को बहाल करने का फैसला लिया है। दोनों देशों ने एक दशक पहले संबंध समाप्त कर लिए थे और दूतावासों को बंद कर दिया गया था।अब सीरिया और सऊदी अरब ने फैसला लिया है कि वे एक-दूसरे के यहां अपने दूतावासों को फिर से खोलेंगे। माना जा रहा है कि ईरान से सऊदी अरब की नजदीकी के चलते ऐसा हुआ है। ईरान की ओर से सीरिया को मदद की जाती रही है। इसी के चलते सऊदी अरब की उससे दूरी थी। अब जबकि खुद ईरान ने सऊदी अरब से दोस्ती का फैसला कर लिया है तो फिर सीरिया के संबंध भी सुधरते दिख रहे हैं। 2011 में सीरिया में गृह युद्ध छिडऩे के बाद से ही अरब देशों ने सीरिया को अकेला कर दिया था, लेकिन अब वह अरब सियासत का हिस्सा बनता दिख रहा है। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ईद के बाद दोनों देश दूतावासों को खोलने की शुरुआत करेंगे।

15 अगस्त तक एक लाख से अधिक शासकीय भर्तियाँ होंगी -मुख्यमंत्री चौहान

स्व-रोजगार के लिये 2 लाख से अधिक युवाओं को 2779 करोड़ के ऋण वितरित >>हर बहन, बेटी और माता में मुझे दिखाई देता है देवी का स्वरूप

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 25 मार्च से शुरू होगा आवेदन लेना»»»नीमच में चिकित्सा महाविद्यालय भवन का हुआ शिलान्यास»»»वीरेंद्र कुमार सकलेचा के नाम पर महाविद्यालय का नाम होगा»»»मुख्यमंत्री ने की भादवा माता कॉरिडोर बनाने की घोषणा»»»गांधीसागर पेयजल प्रदाय योजना का भूमि-पूजन और चंगेरा मंडी का लोकार्पण »»»स्व-रोजगार योजनाओं से लाभान्वित युवा उद्मियों से किया संवाद »»»मुख्यमंत्री नीमच से शामिल हुए राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में हर युवा को उसकी योग्यता के अनुरूप रोजगार दिलाया जाएगा। सरकारी भर्ती, स्व-रोजगार और लर्न एंड अर्न योजना से हर युवा को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री युवा कौशल कमाई योजना से युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षण के साथ ही 8 हजार रूपये प्रतिमाह मानदेय भी दिया जाएगा। आगामी 15 अगस्त तक 1 लाख सरकारी पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में युवाओं को रोजगार के लिए 1 लाख से 50 लाख तक ऋण और अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। आज प्रदेश के हर जिले में रोजगार दिवस मन रहा है और युवकों को स्व-रोजगार के लिए ऋण वितरण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज नीमच में राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने 2 लाख 31 हजार 760 युवाओं को विभिन्न स्व-रोजगार योजना में 2779 करोड़ रूपये का ऋण वितरित किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इसमें नीमच के नवीन मेडिकल कॉलेज तथा गांधी सागर-2 समूह पेयजल प्रदाय परियोजना का शिलान्यास और नवीन मंडी परिसर डूंगलावदा चंगेरा का लोकार्पण शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में स्व-रोजगार के लिए ऋण प्राप्त करने वाले युवा उद्यमी श्री फारूख खान मुरैना, श्री रोहित बैतूल, श्री विवेक सोनी गुना और श्री जितेंद्र मिश्रा सतना से वर्चुअली संवाद कर रोजगार स्थापना संबंधी जानकारी ली और शुभकामनाएँ भी दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हर बहन, बेटी और माता में मुझे देवी का स्वरूप दिखाई देता है। हमारी संस्कृति कहती है कि जहाँ नारियों की पूजा होती है वही देवताओं का निवास होता है। मध्यप्रदेश में नारियों का सम्मान सर्वोच्च है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भादवा माता मंदिर का विकास और कॉरिडोर निर्माण किए जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश में नारियों से भेदभाव होता था। पहले 1000 बेटों पर 900 बालिकाएँ पैदा होती थी। मैंने संकल्प लिया कि मध्यप्रदेश की धरती पर बेटियों के प्रति भेदभाव को समाप्त किया जाएगा और उन्हें वरदान बनाया जाएगा। प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना चालू की गई। आज प्रदेश में 44 लाख 50 हजार लाड़ली लक्ष्मी हैं। प्रति 1000 बेटों पर 956 बेटियाँ पैदा हो रही है। इस दिशा में मैं तब तक प्रयास करता रहूँगा, जब तक 1000 बेटों पर 1000 बेटियाँ पैदा नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शुरू की गई लाड़ली बहना योजना बहनों की जिंदगी और परिवार की स्थिति बदलने

की योजना है। योजना के फार्म 25 मार्च से भरने प्रारंभ हो जाएंगे। इसके लिए हर गाँव और वार्ड में शिविर लगेंगे। योजना के लिए ईकेवाईसी कॉमन सर्विस सेंटर, राशन की दुकान और एमपी ऑनलाइन किओस्क पर भरे जाएंगे। बहनों को इसके लिए कोई शुल्क नहीं देना। इसका शुल्क 15 प्रति आवेदन सरकार द्वारा भरा जाएगा। यदि कोई पैसा मांगे तो 181 पर शिकायत करना। संबंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आगामी 10 जून से बहनों के खाते में राशि आने लगेगी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि नशा सामाजिक बुराई है, इसे दूर किया जाना चाहिए। सरकार ने निर्णय लिया है कि आगामी 1 अप्रैल से प्रदेश में सभी शराब के अहाते बंद कर दिए जाएंगे। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना प्रतिबंधित रहेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हाल ही में ओलावृष्टि से हुए नुकसान की समुचित भरपाई सरकार द्वारा की जाएगी। जिन किसानों की फसलों को 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है उन्हें 32 हजार रूपए प्रति हेक्टर के हिसाब से मुआवजा दिया जाएगा। फसल बीमा का लाभ भी मिलेगा। सरकार डिफाल्टर किसानों के ब्याज की राशि स्वयं भरेगी और उन्हें जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए बजट में 2500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। फसल ऋण चुकाने की तिथि 31 मार्च को आगे बढ़ाया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सरकार द्वारा क्षेत्र के लिए 17 सौ करोड़ रूपए की योजना स्वीकृत की गई है, जिससे घर-घर नल के द्वारा जल पहुँचाया जाएगा। आज नीमच क्षेत्र के लिए करोड़ों के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया है। उन्होंने कहा कि नीमच मेडिकल कॉलेज का नाम वीरेंद्र कुमार सकलेचा मेडिकल कॉलेज होगा। इसी प्रकार मंदसौर मेडिकल कॉलेज का नाम श्री सुंदरलाल पटवा मेडिकल कॉलेज और रतलाम मेडिकल कॉलेज का नाम डॉक्टर लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कन्या-पूजन के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। एमएसएमई मंत्री श्री ओमप्रकाश सकलेचा, सांसद श्री सुधीर गुप्ता, विधायक श्री दिलीप सिंह परिहार और श्री अनिरुद्ध माधव मारू ने भी संबोधन दिया। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

ड्रग्स देश की सुरक्षा और भविष्य का दुश्मन है, कर्नाटक में बोले अमित शाह

नईदिल्ली/जीएनएस। पिछले नौ माह में 5.94 लाख किलोग्राम नशीला पदार्थ नष्ट किया गया। यह नशा मुक्त भारत हासिल करने के लिए मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नरेंद्र मोदी ने एमएचए अमृत काल में नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहा है जैसा कि पीएम ने कल्पना की थी।सहकार समृद्धि सौध के शिलान्यास समारोह और सहकारिता विभाग (कर्नाटक) के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज इस सम्मेलन के दौरान 8 विभिन्न स्थानों पर 1,235 करोड़ रुपये मूल्य की 9,298 किलोग्राम ड्रग्स नष्ट की गई। पिछले नौ माह में 5.94 लाख किलोग्राम नशीला पदार्थ नष्ट किया गया। यह नशा मुक्त भारत हासिल करने के लिए मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। नरेंद्र मोदी ने एमएचए अमृत काल में नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहा है जैसा कि पीएम ने कल्पना की थी। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नशीले पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर आज आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन ने इस लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए गहन विचार-विमर्श किया। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई सिर्फ किसी एक सरकार की लड़ाई नहीं जन-जन की लड़ाई है। ड्रग्स देश की सुरक्षा और भविष्य का दुश्मन है...मोदी जी के मार्गदर्शन में गृह मंत्रालय इसके समूल नाश के लिए संकल्पित है।

ओल्ड पेंशन की मांग के बीच केंद्र ने उठाया बड़ा कदम, सरकारी कर्मचारियों की पेंशन पर कमेटी का होगा गठन

नईदिल्ली/जीएनएस। वित्त विधेयक 2023 को विचार और पारित करने के लिए लोकसभा में पेश करते हुए, सीतारमण ने कहा कि अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे कि सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है।पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों द्वारा कई राज्यों में बड़े पैमाने पर विरोध के बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बड़ा ऐलान किया है। शुक्रवार को निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र पेंशन से संबंधित मुद्दों को देखने के लिए एक समिति का गठन करेगी। वित्त विधेयक 2023 को विचार और पारित करने के लिए लोकसभा में पेश करते हुए, सीतारमण ने कहा कि अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे कि सरकारी कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है।

कोलकाता में ममता बनर्जी और कुमारस्वामी की हुई मुलाकात, राहुल को लेकर छष्टर नेता ने कही यह बात

कोलकाता/जीएनएस। ममता बनर्जी ने इससे पहले अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। इसके बाद वह खुद ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के नेता नवीन पटनायक से मुलाकात करने के लिए उड़ीसा पहुंची थीं। ममता बनर्जी 2024 के लिए गैर कांग्रेसी गठबंधन पर जोर दे रही हैं।2024 चुनाव को लेकर विपक्षी एकता के सुगबुगाहट तेज होती दिखाई दे रही है। जेडीएस नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी पश्चिम बंगाल दौरे पर हैं। पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात की है। इस मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आ चुकी है। आपको बता दें कि 2024 चुनाव को लेकर विपक्षी एकता की कोशिश में ममता बनर्जी की ओर से लगातार की जा रही है। ममता बनर्जी ने इससे पहले अखिलेश यादव से मुलाकात की थी। इसके बाद वह खुद ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल के नेता नवीन पटनायक से मुलाकात करने के लिए उड़ीसा पहुंची थीं। ममता बनर्जी 2024 के लिए गैर कांग्रेसी गठबंधन पर जोर दे रही हैं। इसी कड़ी में दक्षिण भारत के लिहाज से एचडी कुमारास्वामी और ममता बनर्जी की यह मुलाकात काफी अहम बताई जा रही है।

राहुल गांधी के बाद अब अशोक गहलोत को भी होगी सजा? मानहानि केस में दिल्ली कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

नईदिल्ली/जीएनएस। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने दिल्ली पुलिस के माध्यम से मामले की जांच का निर्देश दिया। एक संयुक्त आयुक्त-रैंक के अधिकारी को जांच की निगरानी करने और जवाब देने के लिए कहा गया है कि क्या शेखावत को गहलोत द्वारा संजीवनी घोटाले में आरोपी के रूप में संबोधित किया गया।

दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ संजीवनी घोटाले के बारे में कथित टिप्पणी के लिए दायर मानहानि की शिकायत की जांच करने का आदेश दिया है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने दिल्ली पुलिस के माध्यम से मामले की जांच का निर्देश दिया। एक संयुक्त

आयुक्त-रैंक के अधिकारी को जांच की निगरानी करने और जवाब देने के लिए कहा गया है कि क्या शेखावत को गहलोत द्वारा संजीवनी घोटाले में ÷आरोपी÷ के रूप में संबोधित किया गया।

कोर्ट ने फिलहाल अशोक गहलोत को समन जारी करने पर रोक लगाई है. साथ ही कोर्ट ने कहा कि दिल्ली पुलिस के ज्वाइंट कमिश्नर इस मामले में जांच करे कि क्या गहलोत ने कभी कहा कि शेखावत के खिलाफ आरोप साबित हुए थेऔर क्या शेखावत या उनके परिवार के सदस्य जांच में ÷आरोपी÷ के रूप में रखा गया है।अदालत ने आदेश में कहा कि संबंधित संयुक्त पुलिस आयुक्त मामले की जांच या तो स्वयं या किसी ऐसे अधिकारी के माध्यम से करेंगे जो इंस्पेक्टर के पद से नीचे का न हो। जांच रिपोर्ट सुनवाई की अगली तारीख तक दायर की जाए।

राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द, भाजपा-कांग्रेस के बीच वार-पलटवार, विपक्षी एकता भी दिखी आगे को लेकर मंथन जारी

नईदिल्ली/जीएनएस। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। गुरुवार को सूरत के एक अदालत ने मानहानि मामले में उन्हें 2 साल की सजा सुनाई थी। हालांकि, मामले की सुनवाई के दौरान ही कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी थी। लेकिन इस मामले को लेकर राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द कर दी गई है। आज लोकसभा सचिवालय ने इसको लेकर नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया। आपको बता दें कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के अनुसार, किसी भी सदस्य को दोषी ठहराए जाने और दो साल या उससे अधिक के कारावास की सजा होने पर अयोग्य घोषित किया जाता है। व्यक्ति कारावास की अवधि और एक और छह साल के लिए अयोग्य होता है।

राहुल का ट्वीट, प्रियंका का वार

राहुल गांधी ने लोकसभा की सदस्यता

जाने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि मैं भारत की आवाज के लिए लड़ रहा हूं। मैं हर कीमत चुकाने को तैयार हूं। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी ने भारत के लोकतंत्र को 'खत्म करने' की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी, आपके चमचों ने एक शहीद प्रधानमंत्री के बेटे को देशद्रोही और मीर जाफर कहा। आपके एक मुख्यमंत्री ने सवाल उठाया कि राहुल गांधी के पिता कौन हैं। कश्मीरी पंडितों के रिवाज निभाते हुए एक बेटा पिता की मृत्यु के बाद पगड़ी पहनता है, अपने परिवार की परंपरा क़ायम रखता है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि भरी संसद में आपने पूरे परिवार और कश्मीरी पंडित समाज का अपमान करते हुए पूछा कि वह नेहरू नाम क्यों नहीं रखतेज़ लेकिन आपको किसी जज ने दो साल की सज़ा नहीं दी। आपको संसद से डिस्क्वालिफाई नहीं कियाज़राहुल जी ने एक सच्चे देशभक्त की तरह अडानी की लूट पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि नीरव मोदी और मेहूल चौकसी पे सवाल उठायाज़ क्या आपका मित्र गौतम अडानी देश की संसद और भारत की महान जनता से बड़ा हो गया है कि उसकी लूट पर सवाल उठा तो आप बौखला गए? आप मेरे परिवार को परिवारवादी कहते हैं, जान लीजिए, इस परिवार ने भारत के लोकतंत्र को अपने खून से सींचा जिसे आप ख़त्म करने में लगे हैं। इस परिवार ने भारत की जनता की आवाज़ बुलंद की और पुश्तों से सच्चाई की लड़ाई लड़ी। हमारी रगों में जो खून दौड़ता है उसकी एक ख़ासियत हैज़ आप जैसे कायर, सत्तालोभी तानाशाह के सामने कभी नहीं झुका और कभी नहीं झुकेगा। आप कुछ भी कर लीजिए।

कांग्रेस का प्रहार

सांसद के रूप में राहुल गांधी की अयोग्यता पर कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा उन्हें अयोग्य ठहराने के सभी तरीके आजमाए। जो सच बोल रहे हैं उन्हें वो रखना नहीं चाहते लेकिन हम सच बोलते रहेंगे। हम जेपीसी की मांग जारी रखेंगे, जरूरत पड़ी तो लोकतंत्र बचाने के लिए जेल जाएंगे।

विश्व क्षय रोग दिवस, 2023 हेतु राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत पोषण आहार वितरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

टीबी मरीजों को उपचार के परिणामों में सुधार के लिए पोषण आहार उपलब्ध कराया जा रहा है ››कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आव्हान किया कि जिले को टीबी से मुक्त करेंगे

झाबुआ/ माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएमएचओ ऑफिस प्रांगण, जिला चिकित्सालय झाबुआ में जिला स्वास्थ्य समिति (क्षय) जिला झाबुआ द्वारा दिनांक 24 मार्च 2023 को पोषण आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित था। इस आयोजन में आज जो उपस्थित नही रहे, लेकिन उनकी तरफ से सामग्री प्रदान की गई जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार, शैलेन्द्र सिंगार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रेमलाल कुर्वे, एसडीएम सुनील झा, सामाजिक महासंघ, निजी चिकित्सक संगठन, संकल्प ग्रुप से श्रीमती भारतीय सोनी एवं श्रीमती आशा त्रिवेदी, कैथॉलिक मिशन फादर राकी शाह, जिला केमिस्ट एसोसिएशन तथा जिला अधिकारियों में जिला कोषायल अधिकारी श्रीमती ममता चंगोड, जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा, जिला आयुष अधिकारी श्रीमती प्रमिला चौहान, जिला उद्योग अधिकारी विरेन्द्र सिंह इश्किया, जिला साक्षरता अधिकारी जगदीश सिसोदिया, नगीन रावत उपसंचालक कृषि किसान कल्याण विल्सन डावर, दिनेश वर्मा अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, सुधीर सिंह कुशवाह प्रभारी जिला जनसंपर्क अधिकारी द्वारा गोद लिए गए टीबी मरीजों को पोषण आहार दिया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आव्हान किया कि जिले को टीबी से मुक्त करेंगे वर्तमान में जो मरीज है, उनको शत-प्रतिशत पोषण आहार देकर उन्हे इस रोग से मुक्त करना हमारी प्रथम प्राथमिकता है। आमजन से भी अनुरोध है, कि टीबी मरीज को गोद लेकर उनके पोषण आहार के लिये आगे आये। हमारा संकल्प झाबुआ जिले को टीबी से मुक्त और स्वस्थ झाबुआ का है। इस दौरान बड़ी सख्या में टीबी के मरीज उपस्थित थे जिन्हे पर्याप्त पोषण आहार दिया गया एवं उन्हें निरन्तर इसका उपयोग करने की सलाह दी गई।

राष्ट्रीय क्षय उन्मुलन कार्यक्रम के अन्तर्गत जिले में वर्तमान में टी0 बी0 मरीजो की जाँच हेतु एक सी.बी.नाट मशीन एवं छः ट्रु नाट मशीन उपलब्ध है साथ ही शेष 18 स्थानो पर माइक्रोस्कोपिक सेन्टर जॉच खंखार परीक्षण से की जाती है ।

वर्तमान में जिले में उपचाररत मरीजों की संख्या 1748 है जो जिले के छः ब्लाक एंव एच डब्लू सी (आरोग्य केन्द्र) पर उपचार ले रहे है ।

इन उपचाररत मरीजो में से 430 मरीजों को निक्षय मित्रो द्वारा फुड बर्केट भी हर माह वितरीत किया जा रहा है। विश्व क्षय दिवस के उपलब्ध में एक जन जागरूकता रैली (प्रचार प्रसार) राजवाडा चौक से शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई। जिला चिकित्सालय तक निकाली गई जिसे हरी झंडी मुख्य चिकित्सा एंव स्वास्थ अधिकारी डॉ0जे0पी0एस0 ठाकुर, जिला क्षय अधिकारी डॉ0 सांवत अजनार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आर0 आर0 खन्ना सीनीयर डाटस सुपरवाईजर इरफान हुसैन, प्रमोद डोडीयार, अनमोलनागर, मनोज डावर लवनेश भूरीया, अनील वडखिया विकास वर्मा, उपस्थित थें।

वर्षानुसार टी0 बी0 मरीजो की संख्या 2020 में 2160, 2021 में 2512, 2022 में 2645, 2023 जनवरी से अभी तक 553, जनवरी 2023 में अभी तक एम. डी.आर. मरीज की संख्या 07 है।

विश्व क्षय दिवस के दिन 24 मार्च से 13 अप्रैल तक 21 दिन तक 288 एच.डब्लू.सी.(आरोग्य केन्द्र) के माध्यम से संभावित टी.बी. मरीजों का सघन सर्वे प्रारंभ किया जा रहा है।

सार समाचार

नववर्ष का साहित्यकारों ने किया काव्यांजलि से स्वागत

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्य समाज मंदिर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद बड़नगर के बैनर तले नगर के सुधि साहित्यकारों ने सनातनी नववर्ष 2080, गुड़ीपड़वा, भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव व शहीद दिवस अवसर पर काव्यपाठ के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय यादव गीतांश, मुख्य अतिथि पार्षद श्याम विशनवानी, विशेष अतिथि प्रेमचंद माहेश्वरी व पंडित जगदीशचन्द्र अग्निहोत्री रहे। सुरेश उबाल, नितेश जोशी, शमशाद जख्मी, सनत जैन, नवीन त्रिवेदी मुखिया, खेमराज माहेश्वरी, सुनीता भाटी, सरिता यादव आर्य ने काव्यपाठ में सशक्त रचनाओं से कार्यक्रम को ऊंचाईयां प्रदान की. संचालन मनीष पांचाल व योगेश जोशी ने किया। कार्यक्रम में उमाशंकर मेहता ने गायत्री परिवार द्वारा 24 कुण्डीय यज्ञ बड़नगर के समीप ग्राम खेड़ा माधव (09 अप्रैल से 12 अप्रैल 2023) की जानकारी प्रदान की। गायत्री परिवार सदस्य शिवकांत पाण्डे, सुभाष गुप्ते, ओमप्रकाश भाटी उपस्थित रहे। गीतकार एवम सुंदराबाद सरपंच प्रतिनिधि अजय पण्ड्या सजग, राजेन्द्र प्रसाद आचार्य, मयंक पंचोली, आयुष पण्डया, माणक लाल राठौड़, राजेन्द्र यादव आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे. कार्यक्रम संयोजक साहित्यकार प्रमोद-पंचोली रहे।शहीदों को याद दिलाती रचना सरिता यादव ने जब पढ़ी तो सबकी आंखे गीली हो गई।नवीन दादा ने काव्यपाठ नाटकीय ढंग से प्रस्तुत कर खूब दाद बटोरी। कविता में नवीन प्रयोग व नववर्ष के महत्व को प्रतिपादित करती रचनाओं ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

संस्कार और संस्कृति की पाठशाला है सरस्वती शिशु मंदिर

रुनिजा/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम भारती मालवा प्रांत से मार्गदर्शित बड़नगर मां भगवती ग्राम भारती शिक्षा समिति द्वारा संचालित भारतीय संस्कृति रक्षा केंद्र सरस्वती शिशु मंदिर सुंदराबाद में विगत दिवस कक्षा अष्टम के भैया बहनों का दीक्षांत समारोह व पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सरपंच ज्योति अजय पंड्या सजग, सह संयोजक मदन सिंह राठौर, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या, वरिष्ठ समाजसेवी पंकज पंड्या, शिक्षक अशोक वैष्णव, पूर्व प्रधानाचार्य दीपक पंड्या बालिका शिक्षा प्रमुख उषा राणा दीदी के आतिथ्य में संपन्न हुआ. सर्वप्रथम अतिथियो द्वारा दीप प्रज्वलन कर मां सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ. अपने उद्बोधन में सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर सदैव सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं व संस्कृति और संस्कार की पाठशाला है. यहां से अध्ययन कर विभिन्न क्षेत्रों में सेवा देने वाले भैया बहनों में संस्कृति और संस्कार की झलक दिखाई देती है. कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया. समारोह में पूरे वर्ष की गतिविधियों के पुरस्कार वितरण अतिथियो द्वारा किया गया. भैया बहनों ने अपने 10 वर्ष के अनुभव कथन सुनाएं. दीपक पंड्या ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती की स्थापना 1952 में गोरखपुर में हुई वहीं से आज तक निरंतर जग सिर मोर बनाए भारत को अपना लक्ष्य मानकर विद्या भारती कार्य कर रही है. पूरी तहसील में एक घर एक दान के माध्यम से सुंदर भवन का निर्माण हुआ है। शिशु मंदिर समाज आधारित शिक्षा में विश्वास रखता है। अतिथि स्वागत यामिनी पंड्या, स्वाति बैरागी ने किया. संचालन प्रधानाचार्य धर्मेंद्र राठौड़ ने किया व आभार प्रदर्शन आचार्य जगदीश चौधरी ने माना।

मुख्यमंत्री जी से संघ की मांगों पर संज्ञान लेकर निराकरण किए जाने के लिए आग्रह किया

प्रशासनिक संकुल कोठी संभाग आयुक्त व भाजपा जिला अध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला महिदपुर विधायक बहादुरसिंह चौहान उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव को अपनी मांग का ज्ञापन दिया

खाचरोद/ मालवा हैराल्ड /मुरलीदास बैरागी। उज्जैन में महिला बाल

विकास विभाग संभाग उज्जैन परियोजना अधिकारी व पर्यवेक्षक 15 मार्च से सामूहिक अवकाश लेकर काम किया बंद इसी क्रम में आज शुक्रवार को संभाग आयुक्त महोदय को संभागीय कार्यालय में प्रशासनिक संकुल कोठी में भाजपा जिला अध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला महिदपुर विधायक बहादुरसिंह चौहान उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव को अपनी मांग का ज्ञापन दिया माननीय मुख्यमंत्री जी से संघ की मांगों पर संज्ञान लेकर निराकरण किए जाने के लिए आग्रह किया इस अवसर पर राज्य स्तरीय संयुक्त मोर्चा संघ पदाधिकारी रामप्रकाश तिवारी संयुक्त मोर्चा संघ जिला उज्जैन अध्यक्ष मुकेश वर्मा,परियोजना अधिकारी मनोजसिंह जाट प्रीति कटारा अर्चना दलाल मनोज त्रिवेदी एवं जिले के समस्त सुपरवाइजर जिला उज्जैन सुपरवाइजर संघ की अधक्ष्य शबाना खान जिला देवास से जयदेश जोसेफ मोहनलाल अहिरवार,रतलाम से अनिल जैन के द्वारा अपनी मांगों के निराकरण के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत किया गया साथ ही अवगत कराया गया कि मांगों के उचित निराकरण न होने की स्थिति में सामूहिक अवकाश लगातार जारी रहेगा।

युथ कांग्रेस ने फूंका प्रधानमंत्री मोदी का पुतला

राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने से आ ोशित कांग्रेसियों ने निकाला पैदल मार्च

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द करने के विरोध में यूथ कांग्रेस जिला महासचिव अर्पित चिकी यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पुतला दहन किया गया। रैली के रूप में शहीद पार्क से टॉवर चौक पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ताओं से पुलिस ने पुतला छीनने की कोशिश भी की लेकिन आक्रोशित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री मोदी का पुतला दहन करते हुए भाजपा सरकार की तानाशाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

भारतीय वायु सेना (अग्निवीर) ऑनलाईन आवेदन की अन्तिम तिथि 31 मार्च 2023

झाबुआ/दैनिक मालव हेराल्ड। भारतीय वायु सेना (अग्निवीर) के लिये आवेदन हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। जिसमें ऑनलाईन आवेदन की अन्तिम तिथि 31 मार्च 2023 है। इच्छुक आवेदक वेबसाइट https://agnipathvayu.cdac.in पर जाकर अपना पंजीयन करा सकते है। युवा जिनका जन्म 26 दिसम्बर 2002 से 26 जून 2006 के मध्य हुआ है, आवेदन करने के लिये पात्र है। शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी जानकारी विज्ञापन या भारतीय वायु सेना भर्ती की उपरोक्त वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। सम्बधित लिंक एम.पी.रोजगार पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

सांसद लोकसभा रतलाम झाबुआ आलीराजपुर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक 25 मार्च को सायं 04:00 बजे

पूर्व में यह बैठक प्रातः 11:00 बजे आयोजित थी

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुमानसिंह डामोर सांसद लोकसभा रतलाम झाबुआ आलीराजपुर की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति (दिशा) की बैठक दिनांक 25 मार्च, 2023 शनिवार को सायं 04:00 बजे कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई है। पूर्व में यह बैठक प्रातः 11:00 बजे आयोजित थी।

बैठक में जिला स्तरीय दिशा समिति जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) बैठक में मुख्य रुप से ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य विभाग, उद्योग विभाग, कृषि विभाग, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, संभागीया यंत्री, परियोजना क्रियान्वयन ईकाई, म.प्र. सडक विकास निगम लिमिटेड, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, नेशनल हाईव, रेलवे, भारत संचार निगम लिमिटेड आदि विभागों के संबंध में चर्चा की जायेगी।

बैठक में पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ, वन मंडलाधिकारी सामान्य वन मंडल झाबुआ, अधीक्षण यंत्री मंत्र, राज्य पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी झाबुआ, महाप्रबंधक, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क परियोजना झाबुआ, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी झाबुआ, उपसंचालक कृषि/पशु चिकित्सा सेवायें/पंचायत एवं सामाजिक न्याय झाबुआ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग झाबुआ, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला झाबुआ, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र झाबुआ, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण झाबुआ,. कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि/ल संसा./ग्रा.या. से, जिला झाबुआ, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी एनआईसी झाबुआ,. जिला प्रबंधक, नागरिक आपूर्ति निगम, झाबुआ, सहायक संचालक, उद्यानिकी/मत्स्य झाबुआ, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास झाबुआ, जिला जन सम्पर्क अधिकारी, झाबुआ, पंजीयक सहकारी संस्थाये, परियोजना प्रशासक, आय.टी.डी.पी. झाबुआ, जिला योजना अधिकारी आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, जिला झाबुआ,. जिला परियोजना समन्वयक, सर्व शिक्षा अभियान झाबुआ, लीड बैंक अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा, झाबुआ, समन्वयक,महाप्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ,नर्मदा झाबुआ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित झाबुआ, मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगरपालिका झाबुआ विभाग से संबंधित जानकारी लेकर उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

वनोपज के घोष विक्रय 29 मार्च को की जायेगी

झाबुआ/माणकलाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वनमण्डलाधिकारी सामान्य वन मण्डल झाबुआ के पत्रानुसार अस्थाई डिपो मेघनगर में रखी वानोपज की नालीमी दिनांक 29 मार्च 2023 को की जाएगी। नीलाम की कार्यवाही संबंधित जिलाधिकारी के सज्ञान में व उनकी सहमति से ही की जाएगी। क्रेतागण नीलाम को एवं इसके पूर्व संबंधित डिपो में सामग्री का निरीक्षण कर सकते है। नीलाम के समय शासन/प्रशासन द्वारा जारी ष्प1द्वस्त्र-19 के संक्रमण से बचाव हेतु समस्त दिशा-निर्देशों का पालन एवं सावधानियों बरती जाए। शर्तें अन्य विवरण संबंधित मंडल कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त किया। यदि इमारती काष्ठ के नीलाम के बाद, भोजना अवकाश के पूर्व समय बचता है, अन्यथा भोजन अवकाश के तुरंत बाद नीलाम सपन्न किया जावेगा तदोपरांत पुनः इमारती काष्ठ के शेष बचे लाटों का नीलाम किया जावेगा। झाबुआ के अस्थाई डिपो मेघनगर के नीलाम में रखे गये इमारती सागवान बल्ली अस्थाई डिपो मेघनगर में रखे गये हैं। नीलाम प्रातः 9 बजे से सूर्यास्त तक आवश्यकता पड़ने पर एवं नीलाम पूर्ण न होने की स्थिति में, नीलाम दूसरे दिन भी जारी रखा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री के द्वारा लाडली बहना योजना के संबंध में वीडियों काफ्रेसिंग के माध्यम से निर्देश दिये

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालव हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल के पत्र अनुसार माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा 24 मार्च, 2023 को प्रातः 10:30 बजे मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व से लाडली बहना योजना के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई है। इस वीडियों कॉन्फ्रेसिग में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास आर.एस. बघेल, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत दिनेश वर्मा, सहायक संचालक अजय चौहान उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के एजेंण्डा जिसमें योजना का प्रचार- प्रसार, जिन महिला आवेदकों का स्वयं के बैंक खाता नहीं है अथवा आधार लिंक डीबीटी इनेबल्ड नहीं है, उनका विशेष अभियान चलाकर कार्यवाही पूर्ण करना, कैम्प की सूक्ष्म कार्ययोजना का निर्माण, जिलों के मास्टर ट्रेनर एवं कैम्प प्रभारियों आदि का प्रशिषण, आवेदन ऑनलाइन प्रविष्टी किये जाने हेतु कैम्प आयोजन की तैयारियां, कैम्प स्थल पर ऑनलाइन प्रविष्टी हेतु बायोमेट्रिक डिवाइस/वेब कैमरा/कम्पयूटर की उपल्ब्धा, कैम्प में हितग्राहियों की सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं, आपत्ति निराकरण, जॉच एवं अनंतिम-अंतिम सूचियों का समयसीमा में जारी किया जाना। राशि का यथा समय भुगतान सुनिश्चित हो इसकी नियमित समीक्षा के संबंध में चर्चा की गई।

अ भा श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् मध्यप्रदेश इकाई का एक दिवसीय दौरा

बडनगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद की स्थापना परम पूज्य गुरुदेव आचार्य श्री मद विजय यतींद्र सूरीश्वरजी जी महाराज साहेब द्वारा 64 वर्ष पूर्व की थी आपके देवलोक गमन के पश्चात पुण्य सम्राट जयंत सेन सुरीश्वर जी महाराज साहेब ने इसे पल्लवित करते हुए नई ऊंचाइयों प्रदान की वर्तमान में संपूर्ण मध्यप्रदेश में 53 से अधिक शाखाएं कार्यरत है इन शाखाओ का दोरा मध्य प्रदेश परिषद परिवार के पदाधिकारी करेंगे प्रांतीय अध्यक्ष मोहित तातेड़ प्रांतीय सचिव संजय कोठारी ने बताया कि दौरे का मुख्य उद्देश्य सभी शाखाओं में चल रहे सेवा कार्यों का मूल्यांकन कर भविष्य में परिषद द्वारा विभिन्न नवाचार प्रकल्पों को शाखा परिषद को अवगत कराना है तथा चेत्री पूर्णिमा को होने वाले चातुर्मास उद्घोषणा पर्व पर अधिक से अधिक संख्या में सहभागीता करना है परिषद के प्रांतीय प्रचार मंत्री राजकुमार नाहर ने बताया कि विशेष बात यह है कि एक ही दिन में 53 शाखाओं के दौरे करना और एक साथ सभी परिषदों के स्पर्शना करना अपने अपने एक कीर्तिमान है ।

परम पूज्य पुण्य सम्राट युग प्रभावक गुरुदेव श्रीमद् विजय जयंतसेन सूरीश्वरजी म.सा. के पट्टधर वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद् विजय नित्यसेन सूरीश्वरजी म.सा., परम पूज्य आचार्य श्रीमद् विजय जयरत्न सूरीश्वरजी म.सा. की शुभ प्रेरणा एवं आशीर्वाद से एक दिवसीय मध्यप्रदेश प्रवास कार्यक्रम दिनांक 26 मार्च 2023, रविवार को परिषद् के पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी सदस्य विभिन्न शाखाओं का दौरा करेंगे।

इन्दौर कुंवर मंडली, इन्दौर गुमास्ता, उज्जैन नमकमंडी, उज्जैन नयापुरा, महिदपुर रोड़, महिदपुर सिटी, खाचरौद, नागदा जंक्शन, भाटपचलाना, खरसौद, आलोट, जावरा, मन्दसौर, दलौदा, ढोढर, नीमच, नयागांव, निम्बाहेड़ा, कुशलगढ़, चोमेला, थांदला मेघनगर, रम्भापुर, पेटलावद, बामनिया, खवासा, करवड़, रतलाम, बड़ावदा, पिपलोदा, बदनावर, सारंगी, बड़नगर, दसई, लाबरिया, वरमंडल, राजगढ़, रिंगनोद, टांडा, बाग, कुक्षी, अलिराजपुर, जोबट, भामरा खट्टाली, राणापुर पारा, झाबुआ, मक्सी, नामली, कालुखेडा, रायपुरिया, अंजड़, झकनावदा ,उपरोक्त जानकारी परिषद के प्रांतिय प्रचार मंत्री राजकुमार नाहर ने दी।

विरोध प्रदर्शन दिनांक-25 मार्च 2023 समय-दिन में 2 बजे -स्थान राजवाड़ा चौक झाबुआ मध्य प्रदेश

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्मानीय कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं साथियों, भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र व संविधान धज्जियां उड़ाते हैं राष्ट्रीय कांग्रेस नेता सांसद माननीय राहुल गांधी की संसद सदस्यता समाप्त करने का जो कृत्य किया है जिससे संपूर्ण देश के कांग्रेस जनों, व देश की करोड़ों जनता को ठेस पहुंची है इसी उद्देश्य स्वरूप दिनांक 25 मार्च 2023 को दिन में 2 बजे स्थानीय राजवाड़ा चौक झाबुआ पर जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, शहर कांग्रेस, युवा कांग्रेस, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन, महिला कांग्रेस, सेवादल, आईटी सेल व अन्य मोर्चा संगठनों द्वारा लोकतंत्र पर प्रहार करने वाली भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना सुनिश्चित किया है, अतः आप समस्त कार्यकर्ता पदाधिकारी गण आयोजित विरोध प्रदर्शन में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की कृपा करें, इसी आशा एवं पूर्ण विश्वास के साथ सूचनार्थ जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश राका संभागीय प्रवक्ता साबिर फिटवेल।

जिले में अभियान के रूप में लाडली बहना योजना के लिए मिशन मोड में ई-केव्हायसी की जायेगी

नगरपालिका, नगरपरिषद के जनप्रतिनिधियों से लाडली बहना योजना के संबंध में चर्चा की गई

झाबुआ/माणक लाल जैन/देनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आज कलेक्टर सभाकक्ष में लाडली बहना योजना के अन्तर्गत आज जिले की समस्त नगरपालिका, नगरपरिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद जो जिला योजना समिति के सदस्य के रूप मे निर्वाचन की प्रक्रिया में उपस्थित हुये थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने इन जनप्रतिनिधियों के साथ रूबरू चर्चा की एवं ई-केव्हायसी के संबंध में बताया कि लाडली बहना योजना में फार्म भरना शुरू हो गये है। जिसमें महिलाओं को अधिक से अधिक लाभ मिले जिसके लिये आपको बेसिक पता हो, जिसमें क्या क्या पात्रता कि शर्ते है, हर वार्ड में कल से विशेष कैम्प लगाये जायेगे। जिसमें मिशन मोड में कार्य करेगे।

ग्राम पंचायत में नगरीय क्षेत्रो में नगर पालिका में महिलाओं को दिये गये फॉर्म पहले से भरले, आखिरी समय फॉर्म भरने मे काफी समस्या का सामना करना पड सकता है। इसके अतिरिक्त फॉर्म की प्रतिलिपियॉ लोक सेवा केन्द्र में दे। नगर पालिका में भी उपलब्ध करा देगे, कोई व्यक्ति चाहे तो अपना फॉर्म भर सकता है। फार्म भरने के समय ई-केवायसी एवं समग्र आईडी होना बहुत आवश्यक है। महिला की बनी है तो बहुत अच्छी बात है और यदि नही बनी या शादी करके बाहर से आई है। निवासी प्रमाण पत्र की आवश्यकता नही है। सभी जनप्रतिनिधियों से आग्रह है, कैम्प पर विशेष ध्यान देवे कोई भी योजना से वंचित न रहे। आप सभी के विशेष सहयोग की आवश्यकता होगी। कैम्पों को लेकर अपने ग्रामों में वार्डो में महिलाओं को ई-केवायसी करवाने में मदद करे। बैठक में डिप्टी कलेक्टर एलएन गर्ग, उपसंचालक कृषि नगीन रावत उपस्थित थे।

कांग्रेस की प्रेसवार्ता: भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकार के राज में किसानो की आय सिर्फ 27 रूपये प्रतिदिन-जैन

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा की सरकारे चाहे केन्द्र में हो या राज्य में स्वभाव से किसान विरोधी है। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार फसलो के दाम मांगने पर किसानो के सीने में गोलियां उतार देती है और केन्द्र की भाजपा सरकार किसानो को फसलो के दाम मांगे तो उन्हें लहू लुहान किये जाते है। राहो मे किले, कांटे बिछाती है

यह बात जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन जैन ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। लगातार भाजपा की केन्द्र और राज्य सरकार किसानो की आय दुगुना करने का दावा और वादा तो करती है किन्तु दोनो भाजपा सरकारो के रहते किसानो की वर्तमान आय सिर्फ 27 रूपये प्रतिदिन है, जबकी लगभग 74 हजार रूपये के ऋण का भार प्रत्येक किसान पर है। वर्तमान में किसानो की आर्थिक कमर टूट चुकी है ऐसे में सोसायटीयो में ऋण अदायगी की अंतिम तारिख आगे बढाना चाहिये।

लगातार सरकार किसानो के साथ छलावा कर रही है

जैन ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानो के साथ छलावा कर रही है, केन्द्र और प्रदेश की मामा सरकार ने एक तरफ किसानो तो लगातार यह ढिढोरा पीटा कि हम किसानो को बेहतरी के लिये कृषि बजट बना रहे है। मगर असल में कृषि एवं किसानो कल्याण विभाग का बजट कुल देश के बजट की तुलना में लगातार कम किया है।

अफीम को बीमा योजना में शामिल करने की मांग करते है

जिला कांग्रेस संगठन मंत्री राजेश रघुवंशी ने पत्रकारो से चर्चा करते हुये कहा कि अफीम फसल हमारे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति का आधार मानी जाती है, केन्द्र सरकार के अधिन इस फसल पर ओलावृष्टी के कारण भारी नुकसानी उठानी पडी है। उन्होनें किसान हित में अफीम फसल को बीमा योजना के दायरे में लाने की मांग राज्य सरकार के माध्यम से केन्द्र से की।

आम आदमी पार्टी के उज्जैन जिलाध्यक्ष ओर लोकसभा प्रभारी की हुई नियुक्ति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने पूरे प्रदेश में पार्टी के संगठन को बदला है। उसी तर्ज पर उज्जैन जिले में जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा और भारती माधव को महिला जिला अध्यक्ष बनाया गया है। वही उज्जैन लोक सभा के प्रभारी महेश मनचंदिया ओर सचिव संतोष वर्मा को बनाया गया है। वही लोक सभा सह सचिव निवेदिता गंभीर, अमित माथुर ओर महिला जिला सचिव बरखा बेस ओर जिला उपाध्यक्ष रेखा सोनी को बनाया गया है ओर लगभग आधा दर्जन पदाधिकारियों को जिला सह सचिव और लोक सभा सह सचिव के पर मनोनीत किया गया है। उक्त जानकारी दीपक बिजौरे ने दी है। जिले के मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत में महेश प्रसाद तिवारी, नरेंद्र सोलंकी,अंकित मालवीय, अनिल ठाकुर सहित आदि कार्यकर्ता शामिल हुए।

वरिष्ठ विधायक यशपालसिंह सिसौदिया की मांग पर हुए तीन मेडिकल कॉलेजों के नामकरण

मंदसौर/दैनिक मालव हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को नीमच में आयोजित कार्यक्रम में मंदसौर, नीमच, रतलाम जिले के मेडिकल कॉलेजों के नामकरण की घोषणा की। मुख्यमंत्री चौहान ने वरिष्ठ विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया के 4 नवंबर को लिखे गए पत्र में की गई मांग को स्वीकार करते हुए, ठीक उसी अनुसार नामकरण किया। विधायक श्री सिसोदिया ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है। पत्र में विधायक ने मांग की थी कि मंदसौर, नीमच और रतलाम के मेडिकल कॉलेज का नामकरण राजनीतिक क्षेत्र में अपना पूरा जीवन समर्पित करने वाले जनप्रतिनिधि, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरेंद्र कुमार सकलेचा, स्व. सुंदरलाल पटवा तथा वरिष्ठ सांसद स्व. डॉ. लक्ष्मी नारायण पांडे के नाम पर किया जाना चाहिए। पत्र में सिसोदिया ने लिखा था कि रतलाम मेडिकल कॉलेज का नाम स्व. डॉक्टर पांडे के नाम से किया जाए विधायक सिसोदिया की मांग को पूर्णतः स्वीकार करते हुए शुक्रवार को नीमच के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री चौहान ने तीनों मेडिकल कॉलेज के नामकरण की घोषणा की।

कोर्ट में बयान से मुकरने पर 3 साल की जेल, 25 हजार का जुर्माना

मंदसौर/दैनिक मालव हेराल्ड। प्रथम अपर सत्र न्यायाधीष किशोर कुमार गहलोत की कोर्ट ने न्यायालय में झूठे सबूत पेश करने और बयान से पलटने के आरोप में मीना बिरला पति राहुल राजोरा निवासी बी-165 जनता कॉलोनी मंदसौर को 3 वर्ष का सश्रम कारावास और 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। लोक अभियोजक तेजपाल सिंह शक्तावत ने बताया कि मामला 19 सितंबर 2014 को शहर कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज की गई थी कि राहुल राजोरा, महेश, ममता, प्रियंका ने फरियादी को बहला फुसला कर भगा लाए और उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। फरियादी की शिकायत के आधार पर पुलिस में केस रजिस्टर्ड कर जांच के बाद आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया। कोर्ट में 8 साल से अधिक समय तक चली सुनवाई में फरियादी ने कोर्ट में अपने बयान से मुकरते हुए कहा कि थाने में झूठी शिकायत दर्ज करवाई थी। इस पर कोर्ट ने बयान से पलटने के खिलाफ 3 साल की जेल और 25 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन की ओर से प्रकरण का सफल संचालन लोक अभियोजक तेजपाल सिंह शक्तावत, अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा, मोहन सिंह पंवार द्वारा किया गया।

4 किलो अफीम के साथ युवक, सीबीएन गरोठ की टीम ने की कार्रवाई

मंदसौर/दैनिक मालव हेराल्ड। सेन्ट्रल ब्यूरो नारकोटिक्स ने की कार्यवाही नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी रखते हुए, एक विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन), गरोठ अधिकारियों ने दुग- शामगढ़ ओवर ब्रिज, तहसील- गरोठ, मंदसौर पर एक मोटर साइकिल को रोका और 4 किलो 100 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की। गुप्त सूचना मिलने के बाद कि दो व्यक्ति बिना नंबर की टीवीएस रेडियन बाइक पर दुग से गरोठ तक अफीम ले जा रहे होंगे। सीबीएन गरोठ के अधिकारियों की टीम गठित कर रवाना की गई। संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी गई और सीबीएन टीम द्वारा मोटरसाइकिल की की सफल पहचान के बाद मोटरसाइकिल को दुग- शामगढ़ ओवर ब्रिज, तहसील - गरोठ, मंदसौर पर रोका गया। जिसके परिणामस्वरूप 4.100 किलोग्राम अफीम बरामद हुई। खराब मौसम की स्थिति और सुरक्षा कारणों से अफीम और मोटरसाइकिल वाले दोनों व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया और सीबीएन कार्यालय लाया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अफीम को जब्त कर लिया गया है और दो व्यक्तियों को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/18 के तहत प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है।

तीन छत्री बालाजी धाम में कल से प्रारंभ होगा नवकुण्डात्मक महायज्ञ

मंदसौर/दैनिक मालव हेराल्ड। नगर के प्रसिद्ध और चमत्कारिक तीर्थ श्री तीन छत्री बालाजी धाम में कल 26 मार्च से श्री रामचरित मानस नवकुण्डात्मक महायज्ञ प्रारंभ होगा। श्रीश्री 1008 श्री महंत श्री रामशिरोमणी दासजी महाराज सरंभग ऋषि आश्रम चित्रकूट धाम, श्रीश्री 1008 श्री महंत श्री रामकिशोरदासजी महाराज श्री तीन छत्री बालाजी धाम मंदसौर के सानिध्य में 12 दिवसीय आयोजन संपन्न होगा।आयोजनकर्ताओं ने बताया कि आयोजन में प्रसिद्ध कथावाचक पंश्री भीमांशकरजी शर्मा (शास्त्री) धारियाखेडी वाले यज्ञाचार्य पं श्री भरतजी शर्मा मालाखेडा ताल अपनी विशेष उपस्थिति देंगे। कार्यक्रम के अंतर्गत 26 मार्च रविवार को कलशयात्रा प्रातः 9 बजे से, 27 मार्च सोमवार को प्रातः 7 बजे से यज्ञ का शुभारंभ होगा। 4 अप्रैल को यज्ञ की पूर्णाहूति एवं संतों का समागम होगा। 5 अप्रैल को कथा की पूर्णाहूति एवं पधारें संतों की विदाई होगी। 6 अप्रैल गुरूवार को यज्ञ प्रसादी एवं झरा भंडारा का आयोजन होगा।

श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया गणगौर पर्व

धार/आशीष पंचोली/अमझेरा/दैनिक मालवा हेलार्ड। नगर अमझेरा में गणगौर पर्व शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया। इस मौके पर घरों और मंदिरों में महिलाओं ने मिट्टी से बनाई गई गणगौर और ईसरजी की प्रतिमाओं की पूजा की। साथ ही गणगौर माता को मेहंदी, हल्दी, ज्वारे चुनरी भेंट कर मैदा आटे के बने मीठे तीखे गुणे का भोग लगाया गया। श्रृंगार के प्रतीक इस त्यौहार पर मंगलवार को महिलाओं ने समूह बनाकर गणगौर माता के गीत भी गाए। हाथ में पूजा की थाली लिए और सोलह श्रृंगार से सजी महिलाओं ने गणगौर माता की पूजा अर्चना कर पति की लंबी उम्र और समृद्धि लिए प्रार्थना की। इस दौरान महिलाओं ने गौरी माता की कथा सुनाई।नवरात्र के तीसरे दिन यानी चैत्र मास शुल्क पक्ष की तीज के दिन गणगौर माता यानी मां पार्वती की पूजा की जाती है।

नगर के कलमकारों ने मनाया सनातन नववर्ष

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आर्य समाज मंदिर में अखिल भारतीय साहित्य परिषद बड़नगर के बैनर तले नगर के सुधि साहित्यकारों ने सनातनी नववर्ष 2080, गुड़ीपड़वा, भगवान झूलेलाल जन्मोत्सव व शहीद दिवस अवसर पर काव्यपाठ के साथ अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय यादव गीतांश, मुख्य अतिथि पार्षद श्याम विशनवानी, विशेष अतिथि प्रेमचंद माहेश्वरी व पंडित जगदीशचन्द्र अग्निहोत्री रहे। सुरेश उबाल, नितेश जोशी, शमशाद जख्मी, सनत जैन, नवीन त्रिवेदी मुखिया, खेमराज माहेश्वरी, सुनीता भाटी, सरिता यादव आर्य ने काव्यपाठ में सशक्त रचनाओं से कार्यक्रम को ऊंचाईयां प्रदान की. संचालन मनीष पांचाल व योगेश जोशी ने किया। कार्यक्रम में उमाशंकर मेहता ने गायत्री परिवार द्वारा 24 कुण्डीय यज्ञ बड़नगर के समीप ग्राम खेड़ा माधव (09 अप्रैल से 12 अप्रैल 2023) की जानकारी प्रदान की। गायत्री परिवार सदस्य शिवकांत पाण्डे, सुभाष गुप्ते, ओमप्रकाश भाटी उपस्थित रहे। गीतकार एवम सरपंच प्रतिनिधि अजय पण्ड्या सजग, राजेन्द्र प्रसाद आचार्य, मयंक पंचोली, आयुष पण्डया, माणक लाल राठौड़, राजेन्द्र यादव आदि कार्यक्रम में उपस्थित रहे. कार्यक्रम संयोजक साहित्यकार प्रमोद-पंचोली रहे।शहीदों को याद दिलाती रचना सरिता यादव ने जब पढ़ी तो सबकी आंखे गीली हो गई।नवीन दादा ने काव्यपाठ नाटकीय ढंग से प्रस्तुत कर खूब दाद बटोरी। कविता में नवीन प्रयोग व नववर्ष के महत्व को प्रतिपादित करती रचनाओं ने श्रोताओं का मन मोह लिया।

कॉलेज चलो अभियान

नगर के हायर सेकेंडरी विद्यालयों में भ्रमण कर विद्यार्थियों से संपर्क किया

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड।कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़नगर के प्राध्यापकों के द्वारा नगर के हायर सेकेंडरी विद्यालयों में भ्रमण कर विद्यार्थियों से संपर्क किया गया और कॉलेज में संचालित कला संकाय, वाणिज्य संकाय, विज्ञान संकाय के पाठ्यक्रमो के बारे मे बताया गया इसके साथ हे जनभागीदारी समिति द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों कंप्यूटर और प्रबंधन के पाठ्यक्रमो के बारे मे भी विस्तार से समझाया गया छात्र और छात्राओं को महाविद्यालय मे संचालित गाँव की बेटी, प्रतिभा किरण, एवं छात्रवृत्ति मेधावी योजना के बारे मे भी बताया गया और योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया 7 महाविद्यालय के दल ने नगर के साथ साथ आस पास के क्षेत्र मे चलने वाले हायर सेकेंडरी विद्यालयों मे भी संपर्क किया महाविद्यालय के प्राचार्य लक्ष्मण चेलाणी ने हायर सेकेंडरी विद्यालयों पास होने वाले सभी छात्र छात्राओं की सुविधा के लिए कॉलेज मे एक हेल्प सेंटर भी चालू किया है हायर सेकंड्री पास होने वाले बच्चे कॉलेज मे आकर भी अधिक से अधिक जानकरी प्राप्त कर सकते है उपरोक्त जानकरी कॉलेज चलो अभियान की सयोजक डॉ. दीपा वाडिया ने दी।

चार माह से रेलवे सीमा में बन्द पड़ा ओवरब्रिज निर्माण का कार्य शीघ्र शुरु होगा

मंदसौर/पिपलियामंडी/दैनिक मालव हेराल्ड। नगर के बीच रेलवे फाटक क्रमांक 141 पर पिछले चार माह से बन्द पड़ा ओवरब्रिज निर्माण कार्य शीघ्र शुरु होगा। रेलवे सीमा में होने वाले ओवरब्रिज निर्माण की सामग्री शुक्रवार शाम यहां पहुंची। इसमें एक लोहे की बड़ी गार्डर व उसकी प्लेटें उतारी गई, एसी पांच गार्डन और निर्माणधीन ओवरब्रिज में लगेगी। उल्लेखनीय है कि नगर में रेलवे फाटक पर यातायात का अधिक दबाब होने से रेल बजट में 2015 में ओवरब्रिज की स्वीकृति हुई थी। लेकिन जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते 5 वर्ष तक यह कार्य चालू नही हुआ, कार्य चालू कराने की मांग को लेकर रेल सुविधा विस्तार समिति ने कई बार धरना, आन्दोल, भूख हड़ताल, जल सत्त्याग्रह, नगर बन्द, सद्धबुद्धि यज्ञ, ज्ञापन आदि आयोजन किए। तब जाकर जनवरी 2020 में 20 करोड़ 19 लाख की लागत से बनने वाले इस ओवरब्रिज निर्माण कार्य शुरु हुआ। रेलवे लाइन के दोनों और नगरीय सीमा में ब्रिज निर्माण कार्य पूरा हो गया। लेकिन पिछले करीब 4 माह से रेलवे सीमा में कार्य बन्द था। शीघ्र ब्रिज नही बनने से हजारों वाहन चालक रोज परेशान हो रहे है। फाटक बन्द होने के दौरान रेलवे फाटक पर इमरजेंसी वाहन भी जाम में फस जाते है। समय, इधन की बर्बादी हो रही है। उल्लेखनीय है कि रेलवे सीमा में ब्रिज कार्य चालू करने से पूर्व नगर परिषद् की 5 दुकानों को तोड़ दिया है, वहीं 4 और दुकानों को भी शीघ्र हटाया जाएगा। रेलवे गेटमेन का कमरा भी दूसरी और शिफ्ट कर दिया है।

प्रदेश स्तरीय यूथ महापंचायत का सीधा प्रसारण देखा

शहीद स्मारक पर माल्यार्पण भी किया

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री के आतिथ्य में प्रदेश स्तरीय यूथ महापंचायत का आयोजन भोपाल स्थित मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित किया गया, कार्यक्रम का सीधा प्रसारण नगर पालिका के आर्शीवाद सामुदायिक भवन में एल.ई.डी. स्क्रीन के माध्यम से नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, उपाध्यक्ष अनिता सतीष जी वर्मा, जल सभापति अजय दौराया, सामान्य प्रशासन विभाग सभापति आनंद अनावडिया, रितेश चांदीवाला, राजेश परमार किसान मोर्चा अध्यक्ष, अंकित पाटोदी, रामप्रसाद राठौर अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा, साजिद अली सैयद अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, श्रीमती राजकुमारी निबोला, अर्चित गोखरू एवं युवा इंजीनियर, आर्किटेक्ट, उद्योगपति, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कोल एवं अधिकारी/कर्मचारी की उपस्थित में किया गया। कार्यक्रम पश्चात शहीद दिवस के अवसर पर विजय स्तंभ चौक स्थित शहीद स्मारक पर अमर शहीद भगत सिंह, अमर शहीद राजगुरु, अमर शहीद सुखदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण नगर पालिका अध्यक्ष अभय टोंग्या, उपाध्यक्षअनिता सतीश वर्मा, अजय दौराया, सतीश वर्मा, रितेश चांदीवाला, आनंद अनावडिया, राजेश परमार, अंकित पाटोदी, रामप्रसाद राठौर, साजिद अली सैयद, अर्चित गोखरू, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री कमला कोल के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शुभम चौहान, सुनील माली, लोकेन्द्र माली, विनोद पोरवाल, वाहिद वेग, शिवपाल अहिरवार, शैलेंद्र सिंह गौसर,अनिता चावला, प्रेशी गोघा आदि उपस्थित थें।

गणगौर तीज के पावन पर्व को उत्साह पूर्वक मनाया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गणगौर तीज के पावन पर्व पर आज नगर की महिला मंडल ने और वह को बड़े उत्साह पूर्वक मनाया राधा कृष्ण दृश्य महादेव मंदिर से महिलाओं ने माता गणगौर को अपने सिर पर रखकर बैंड बाजे के साथ नाचते हुए नगर भ्रमण करवाया चैत्र मास में गणगौर तीज उत्सव मनाया जाता है इस और मैं भगवान शिव और देवी पार्वती की पूजा विशेष रूप से की जाती है गणगौर व्रत कुंवारी लड़कियां श्रेष्ठ वर की प्राप्ति के लिए एवं विवाहित महिलाएं पति की सुख समृद्धि एवं लंबी आयु के लिए व्रत पूजन करती है एवं इस वृत्त के करने से सभी मनोकामनाएं जल्दी पूरी हो जाती है, इस अवसर पर नगर की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गणगौर तीज जुलूस में शामिल कोई हुई एवं राधा कृष्ण पिपलेश्वर महादेव मंदिर में आरती एवं महाप्रसाद का वितरण किया गया।

सैल्यूट तिरंगा संस्था के द्वारा एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम कवि सम्मेलन में देश भक्ति के साथ साथ सभी रसों से ओत- प्रोत भव्य कवि सम्मेलन संपन्न रात्रि 2 बजे तक कवियों ने लोगो को खूब गुद गुदाया

आलोट/दैनिक मालवा हेराल्ड। सैल्यूट तिरंगा संस्था के तत्वधान में एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में नगर के विजय स्तंभ संजय चौक पर भारत मां के वीर सपूत क्रांतिकारी अमर शहीद भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव के चित्र पर माल्यार्पण कर दीपक एवम मोमबत्ती जलाकर श्रंधाजली दी एवं सेकडो की संख्या में लोगों ने विजय स्तंभ पर उपस्थित होकर राष्ट्रगान गाया। तत्पश्यात कवि सम्मेलन कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित के साथ की ।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण सैल्यूट तिरंगा के मुख्य सचिव अशोक पांचाल ने किया तथा कार्यक्र का संचालन सैल्यूट के राष्ट्रीय सचिव राकेश चौहान ने करते हुवे। सैल्यूट तिरंगा संस्था के द्वारा देश की सीमाओं पर सेवा दे रहे हैं फौजी भाइयों का सम्मान किया

एवं क्षेत्र में अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवा देने वाले अधिकारी समाजसेवियों का सम्मान किया गया तथा पश्चात उज्जैन से आई कवियत्री निशा पंडित द्वारा मां वीणा पानी की आराधना के संग कवि सम्मेलन का आगाज किया गया। कार्यक्रम में हास्य कवि लोकेश जड़िया ने लोगो को खूब व्यंग के माध्यम से हसाया, शंकर सिंह सिसोदिया ने भी मालवी हास्य के माध्यम से श्रोताओ को खूब गुदगुदाया नंदकिशोर अकेला ने भी अपनी शानदार मालवी हास्य से लोगो को प्रसन्न कर दिया वही सतीश सागर, विक्रम विवेक, और वीररस ब्रजराज ब्रज,गीत गजल निशा पंडित आदी कवियों द्वारा एक से बढ़कर एक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम के अतिथि-क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक मनोज चावला,पंचायत अध्यक्ष कालू सिंह परिहार, जनपद उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह परिहार, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष वर्तमान पार्षद पवन शर्मा,पार्षद अमित चौधरी,पार्षद प्रतिनिधि अभिनव निगम, पुर्व पार्षद शैलेष आंचलिया, लायंस क्लब अध्यक्ष एवम युवा अधिवक्ता मनीष फरक्या, समाज सेवी दीपक झंडी, एसडीओपी साबेरा अंसारी, थाना प्रभारी शिवमंगल सिंह सेंगर । कार्यक्रम रात्रि 2.30 बजे समाप्त हुआ कार्यक्रम का आभार सैल्यूट संस्था के सदस्य संजय सिंदुरकिया ने किया। इसकी के साथ सैल्यूट तिरंगा के योगेश निगम, राजेश जोशी, आदित्य सेन,विष्णु मेहरा,योगेश शर्मा, ब्रजराज परिहार,महेश निगम, गौरव सेठिया,मनोज गुप्ता,बंशी प्रधान,मनोज शर्मा,खुशबू कमरिया,शीतल चौहान,रुक्मा दाबी, ऋतु वरोला,प्रीति आंचलिया, हेमलता सोनी,शाइना शैख,रेखा विश्वकर्मा, रमा जोशी,स्वेता सोनी,संतोष भाटी,राजश्री सेठिया,दीपा निगम,कार्तिक शर्मा, जीतू बरोला,शंभूलाला गहलोत,उत्सव गुप्ता, कुशाल राव,मनोहर शर्मा,वर्दीचंद पोरवाल,आदि कई सदस्यगण उपस्थित रहे।

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **क्षिप्रा योजना** के अंतर्गत आवासीय उपयोग के भूखण्ड/**क्रमांक ई-1/9 श्रेणी एलआईजी** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्री मायाराम राठौर पिता श्री रामाजी राठौर एवं राधारानी राठौर पति श्री मायाराम राठौर निवासी-ई-1/9, क्षिप्रा विहार उज्जैन (म.प्र.)** के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक ने दिनांक 27.02.2023 को आवेदन के साथ शपथ पत्र मय फोटो इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन में प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **ऋषिनगर** आवासीय योजना के आवंटित भवन/भूखण्ड/**क्रमांक जी-32बी श्रेणी ईडब्ल्यूएस** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण की **ऋषिनगर** आवासीय योजना में भवन/भूखण्ड **क्रमांक जी-32बी श्रेणी ईडब्ल्यूएस** प्राधिकारी रिकार्ड में **श्री जगदीश प्रसाद सोनी पिता श्री ओमप्रकाश सोनी निवासी-जी-32बी ईडब्ल्यूएस, ऋषिनगर उज्जैन** के नाम पर दर्ज है। प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन फार्म के साथ शपथ पत्र एवं अन्य वांछित दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

आवंटी द्वारा उक्त सम्पत्ति के प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में सम्परिवर्तन किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन में प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियाँ जमा होने पर आवेदन तथा दस्तावेज के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
(जाहिर सूचना)

प्राधिकरण की **ऋषिनगर** आवासीय योजना के आवंटित भवन/भूखण्ड/**क्रमांक जी-32ए श्रेणी ईडब्ल्यूएस** को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उज्जैन विकास प्राधिकरण की **ऋषिनगर** आवासीय योजना में भवन/भूखण्ड **क्रमांक जी-32ए श्रेणी ईडब्ल्यूएस** प्राधिकारी रिकार्ड में **श्री जगदीश प्रसाद सोनी पिता श्री ओमप्रकाश सोनी निवासी-जी-32ए ईडब्ल्यूएस, ऋषिनगर उज्जैन** के नाम पर दर्ज है। प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन फार्म के साथ शपथ पत्र एवं अन्य वांछित दस्तावेज आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में संपरिवर्तन करने हेतु निवेदन किया गया है।

आवंटी द्वारा उक्त सम्पत्ति के प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार में सम्परिवर्तन किये जाने में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण, उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन में प्रस्तुत करें, अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात् उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियाँ जमा होने पर आवेदन तथा दस्तावेज के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी जिसमें किसी की कोई आपत्ति / उज्र मान्य नहीं होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

सम्पादकीय

गरिमा का खयाल रखें

गुजरात में सूरत की एक कोर्ट ने 'मोदी सरनेम' वाले बयान पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 2 साल जेल की सजा सुनाई है। राहुल को मानहानि और उससे जुड़ी सजा की धाराओं में दोषी करार दिया गया।

सूरत की एक अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मानहानि का दोषी करार देते हुए दो साल जेल की सजा सुना दी। हालांकि उन्हें जमानत मिल गई है और अपील के लिए वक्त भी मिल गया है, इसलिए तत्काल जेल जाने की स्थिति नहीं है, लेकिन राहुल के बयानों को लेकर पहले से ही गरमाई राजनीति में यह फैसला उबाल का एक और बिंदु जरूर बन गया है। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब लंदन में दिए गए राहुल गांधी के बयान संसद में गतिरोध का कारण बने हुए हैं। सत्तारूढ़ बीजेपी विदेशी धरती पर दिए गए उन बयानों को देश का अपमान बताते हुए राहुल से माफी की मांग पर अड़ी हुई है। राहुल और कांग्रेस स्वाभाविक ही इससे इनकार कर रहे हैं। जहां तक सूरत कोर्ट से आए फैसले की बात है तो राहुल गांधी ने इसे स्वीकार नहीं किया है, वह इसे ऊपरी अदालत में चुनौती देंगे। लेकिन फिर भी इस फैसले ने बीजेपी के तरकश में एक शक्तिशाली बाण तो डाल ही दिया है। बीजेपी नेता और कार्यकर्ता अब इस फैसले के हवाले से यह दावा कर सकते हैं कि राहुल गांधी के बयान अदालत की कसौटी पर भी खरे नहीं उतरते।

पक्ष-विपक्ष की दलीलों से हटकर देखें तो राहुल के लिए यह सलाह अनुचित नहीं कही जाएगी कि वह अपने वाक्य को थोड़े बेहतर ढंग से फ्रेम कर सकते थे। विपक्षी खेमे के और कांग्रेस पार्टी के भी कई नेता निजी बातचीत में यह राय जताते रहे हैं कि राहुल गांधी राजनीतिक हमले करते हुए कुछ ज्यादा पर्सनल हो जाते हैं। फिर भी इस बारे में अभी से कोई नतीजा निकालना मुश्किल है कि इस पूरे विवाद का राहुल गांधी और कांग्रेस को फायदा होगा या नुकसान।

राहुल गांधी ने अगर 2013 का वो अध्यादेश न फाड़ा होता, तो आज संसद सदस्यता जाने की नौबत ही न आती ।भूलना नहीं चाहिए कि राहुल गांधी का संबंधित बयान 2019 लोकसभा चुनाव के दौरान दिया गया था। चुनावी गरमागरमी में नेताओं के ऐसे बयान आते रहे हैं, जिन्हें विवादास्पद माना जाता है भले ही वे सारे मामले अदालत में नहीं पहुंचते। बीजेपी नेताओं के भी ऐसे कई बयान गिनाए जा सकते हैं। ऐसे में कहना मुश्किल है कि आम लोग इस फैसले को आखिरकार किस रूप में लेंगे। इसे राहुल गांधी की गैरजिम्मेदारी मानेंगे या सत्ता पक्ष की ओर से से उनकी आवाज दबाने के एक और प्रयास के रूप में देखेंगे।

अगर आम धारणा दूसरे विकल्प की ओर मुड़ी तो नुकसान के बजाय कांग्रेस को फायदा ही पहुंचाएगी। यही आशंका तृणमूल नेता ममता बनर्जी को यह कहने को मजबूर कर रही है कि बीजेपी और सरकार राहुल को हीरो बनाने पर तुली हुई है। लेकिन इन संकीर्ण नफा-नुकसानों से अलग हटकर देखें तो ओछे बयान किसी भी तरफ से आएं लोकतंत्र की गरिमा को नुकसान ही पहुंचाते हैं। बेहतर होगा हमारे नेता इस तथ्य के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखें।

अनहद (हृदय) चक्र पर मां कूष्माण्डा की आराधना से यश व आरोग्य में वृद्धि होती है

नवरात्रि महोत्सव के चतुर्थ दिवस मां कूष्माण्डा की आराधना की जाती है।कूष्मांडा देवी की आठ भुजाएं हैं, जिनमें कमंडल, धनुष-बाण, कमल पुष्प, शंख, चक्र, गदा और सभी सिद्धियों को देने वाली जपमाला है। मां के पास इन सभी चीजों के अलावा हाथ में अमृत कलश भी है। इनका वाहन सिंह है और इनकी भक्ति से आयु, यश और आरोग्य की वृद्धि होती है। ये अनहद चक्र को नियंत्रित करती हैं।

चौथा चक्र अनहद (हृदय चक्र) कहलाता है। इस हृदय चक्र की बारह पंखुड़ियाँ हैं और यह उरोस्थि (स्टनर्म) के पीछे मेरूरज्जु में स्थित है। यह चक्र बारह वर्ष की अवस्था तक रोग प्रतिकारक उत्पन्न करता है। ये रोग प्रतिकारक (antibodies) पूरे शरीर में प्रसारित किये जाते हैं जिससे कि शरीर या मस्तिष्क पर किसी भी प्रकार के आक्रमण की अवस्था में मुकाबला करने के लिये यह तैयार हो सकें। (%सहजयोग% पुस्तक) अतः यह चक्र रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है।

सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने अनहद चक्र के अन्तर्जात गुणों का वर्णन इस प्रकार किया है कि,

1. **आत्मविश्वास और निडरता** – ये देवी की कृपा से होता है इसलिये हमारे यहाँ शक्ति को बहुत बड़ा मानते हैं। जब जगदम्बा चक्र आपके अन्दर जाग्रत हो जाता है तो आपके अन्दर से भय, आशंका सब भाग जाती है, कोई किसी प्रकार का भय नहीं रहता।, आपका व्यक्तित्व अत्यन्त शान्तिमय हो जाता है, क्योंकि आपकी मां आपके साथ होती हैं। यह दृढ़ विश्वास कि वे सदा हमारे साथ हैं, सदा हमारी रक्षा करता है। व्यक्ति को अपने आपमें पूर्ण पूर्णतः आत्म विश्वस्त होना चाहिये, परन्तु अहंकार को आत्मविश्वास नहीं मान लेना चाहिये। आत्मविश्वास पूर्ण विवेक है, पूर्ण धर्म, पूर्ण प्रेम, पूर्ण सौन्दर्य और पूर्ण परमात्मा है। इसे यही होना चाहिये।

2. **प्रेम भाव** – हृदय चक्र जाग्रत होते ही यह प्रेम बहने लगता है। मानव को परमात्मा के दिये उपहारों में से प्रेम सबसे बड़ा उपहार है और व्यक्ति को चाहिये कि प्रयत्न करके इसे विकसित करे। प्रेम में स्वार्थ नहीं होता है, आनन्द होता है और इसी आनन्द की अनुभूति आपने करनी है तथा अन्य लोगों को भी देनी है। प्रेम आदिशक्ति का संदेश है।

3. **निर्लिप्तता** – निर्लिप्तता का अर्थ है कि आपके पास सभी कुछ है फिर भी इससे लिप्त नहीं हैं। क्रोध, वासना, लालच सभी अवगुण दूर हो जाते हैं। तब आनन्द का भी बाहुल्य होगा। भोजन, कपड़े, घर- बच्चों में भी आपकी रूचि होनी चाहिये, पर साथ ही साथ आपको जागरूक होना चाहिये की आप इनसे लिप्त नहीं हो सकते।

कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार के बाद जब यह चक्र प्रकाशित होता है तो हमारे अन्दर सुरक्षा की भावना जाग्रत हो जाती है। हम निर्भयतापूर्वक ओजस्वी हो जाते हैं। अत्यन्त करुणामय । आपका सरोकार स्वयं से हटकर अन्य लोगों के प्रति होता है, अन्य लोगों के प्रति आपमें प्रेम उमड़ता है। जो लोग कभी आपके शत्रु थे, वे अच्छे मित्र बन जाते हैं।अतः इस नवरात्रि अनहद चक्र के संतुलन को स्थापित करने के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु www.sahajayoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

मां दुर्गा के पंचम स्वरुप मां स्कंदमाता के मंत्र, जानिए कैसे करें पूजा

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

नवरात्र के पांचवें दिन मां दुर्गा के पंचम स्वरुप मां स्कंदमाता की उपासना की जाती है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम दिया गया है। भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

सबसे पहले चौकी (बाजोट) पर स्कंदमाता की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें।

इसके बाद गंगा जल या गोमूत्र से शुद्धिकरण करें।

चौकी पर चांदी, तांबे या मिट्टी के घड़े में जल भरकर उस पर कलश रखें।

उसी चौकी पर श्रीगणेश, वरुण, नवग्रह, षोडश मातृका (16 देवी), सप्त घृत मातृका (सात सिंदूर की बिंदी लगाएं) की स्थापना भी करें।

इसके बाद व्रत, पूजन का संकल्प लें और वैदिक एवं सप्तशती मंत्रों द्वारा स्कंदमाता सहित समस्त स्थापित देवताओं की षोडशोपचार पूजा करें।

इसमें आवाहन, आसन, पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, सौभाग्य सूत्र, चंदन, रोली, हल्दी, सिंदूर, दुर्वा, बिल्वपत्र, आभूषण, पुष्प-हार, सुगंधित द्रव्य, धूप-दीप, नैवेद्य, फल, पान, दक्षिणा, आरती, प्रदक्षिणा, मंत्र पुष्पांजलि आदि करें। तत्पश्चात प्रसाद वितरण कर पूजन संपन्न करें।

मां स्कंदमाता का मंत्र

मां स्कंदमाता का वाहन सिंह है। इस मंत्र के उच्चारण के साथ मां की आराधना की जाती है।

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः॥

संतान प्राप्ति हेतु जपें स्कन्द माता का मंत्र
पंचमी तिथि की अधिष्ठात्री देवी स्कन्द माता हैं।

जिन व्यक्तियों को संतानाभाव हो, वे माता की पूजन-अर्चन तथा मंत्र जप कर लाभ उठा सकते हैं। मंत्र अत्यंत सरल है -

'ॐ स्कन्दमात्रै नमः।।'

निश्चित लाभ होगा।

इसके अतिरिक्त इस मंत्र से भी मां की आराधना की जाती है-

या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

स्कंद माता की उपासना से बालरूप स्कंद भगवान की उपासना स्वयं हो जाती है। मां स्कंद माता की उपासना से उपासक की समस्त इच्छाएं पूर्ण हो जाती हैं।

ध्यान

वन्दे वांछित कामर्थेचन्द्रार्घकृतशेखराम्।
सिंहारूढाचतुर्भुजास्कन्धमातायशस्वनीम्
धवलवर्णाविशुद्ध चक्रस्थितांपंचम दुर्गा त्रिनेत्राम।
अभय पदमयुग्म करांदक्षिण उरूपुत्रधरामभजेम्
पटाम्बरपरिधानाकृदुहज्ञसयानानालंकारभूषिताम्।
मंजीर हार केयूर किंकिणिरत्नकुण्डलधारिणीम।।
प्रभुल्लवंदनापल्लवाधरांकांत कपोलांपीन पयोधराम्।
कमनीयांलावण्यांजारूत्रिवलींनितम्बनीम्ध्

स्तोत्र

नमामि स्कन्धमातास्कन्धधारिणीम्।
समग्रतत्वसागर अपरमपार पारगहराम्
शिप्रभांसमुल्वलांस्फुरच्छशागशेखराम्।
ललाटरत्?नभास्कराजगतप्रदीप्तभास्कराम्
महेन्द्रकश्यपाद्दचतांसनत्कुमारसंस्तुताम्।
सुरासेरेन्द्रवन्दितांयथार्थनिर्मलादभुताम्
मुमुक्षुभिद्दवचिन्तितांविशेषतत्वमूचिताम्।
नानालंकारभूषितांकृगेन्द्रवाहनाग्रताम्।।
सुशुद्धतत्वातोषणांत्रिवेदमारभषणाम्।
सुधाद्दमककौपकारिणीसुरेन्द्रवैरिघातिनीम्
शुभांपुष्पमालिनीसुवर्णकल्पशाखिनीम्।
तमोअन्कारयामिनीशिवस्वभावकामिनीम्
सहस्त्रसूर्यराजिकांधनच्जयोग्रकारिकाम्।
सुशुद्धकाल कन्दलांसुभृडकृन्दमच्जुलाम्
प्रजायिनीप्रजावती नमामिमातरंसतीम्।
स्वकर्मधारणेगतिंहरिप्रयच्छपार्वतीम्
इनन्तशक्तिकान्तिदांयशोथमुक्तिदाम्।
पुनरूपुनर्जगद्धितांनमाम्यहंसुराद्दचताम्
जयेश्वरित्रिलाचनेप्रसीददेवि पाहिमाम्

कवच

ऐं बीजालिंकादेवी पदयुग्मधरापरा।
हृदयंपातुसा देवी कातिकययुताघ्
श्रींहीं हुं ऐं देवी पूर्वस्यांपातुसर्वदा।
सर्वाग में सदा पातुस्कन्धमातापुत्रप्रदाघ्
वाणवाणामृतेहुं फट् बीज समन्विता।
उत्तरस्यातथाग्नेचवारूणेनेत्रतेअवतुघ्
इन्द्राणी भैरवी चौवासितांगीचसंहारिणी।
सर्वदापातुमां देवी चान्यान्यासुहि दिक्षवैघ्

भगवान स्कंद (कार्तिकेय) की माता होने के कारण इस पांचवें स्वरूप को स्कंदमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कंद माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप है। इनकी पूजा-अर्चना में मिट्टी की 6 मूर्तियां सजाना जरूरी माना गया हैं।

आज का पर्व

पंचम नवरात्रि –

जानिए स्कंदमाता की कथा तथा पूजा का महत्व !

माता की पावन नवरात्रि पर्व के पांचवें दिन स्कंदमाता की उपासना होती है, माता का यह रूप अत्यंत ममतामयी है। मोक्ष के द्वार खोलने वाली स्कंदमाता अपने भक्तों की सभी मुराद पूरी करतीं है।

स्कंदमाता की कथा--

माता गौरी तथा भगवान शंकर के पुत्र कार्तिकेय को स्कन्द नाम से भी जाना जाता है। कुमार कार्तिकेय ने देवासुर संग्राम में देवताओं का सेनापति बन कर असुरों को परास्त किया था। देवता भी इनकी महिमा गाते हैं और पुराणों में भी इन्हे महावीर बताया गया है। इन्ही भगवान स्कन्द की माता होने के कारण इन्हे स्कंदमाता कहा जाता है।

माँ का स्वरूप--

स्कंदमाता का यह रूप भी अत्यंत सुहाना है, माता की चार भुजाएं हैं जिनमे दाहिनी तरफ की नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। तथा दाहिनी तरफ की ऊपर वाली भुजा से माता ने कुमार स्कन्द को गोद में पकड़ा हुआ है। नीचे वाली भुजा में भी कमल का पुष्प है व बायीं तरफ की ऊपर वाली भुजा वरमुद्रा में है। माता ने इस स्वरुप में कोई भी अस्त्र-शस्त्र नहीं है, जिसका अर्थ है माता अपने मातृत्व रूप में सबको आशीर्वाद देती हैं। किन्तु माता का वाहन शेर है, इसलिए इनके शांत स्वरुप को कभी भी कमजोर नहीं समझना चाहिए। माता का वर्ण पूर्णतया शुभ्र है, माता कमल के आसान पर भी दिखाई जातीं हैं, इसलिए इन्हे पद्मासना देवी भी कहा जाता है।

इस दिन का महत्व--

नवरात्री के पांचवें दिन की पूजा का शास्त्रों में अत्यंत महत्व बताया गया है, इस दिन साधक का मन विशुद्ध चैतन्य में अवस्थित होता है। इस चक्र में मन होने के कारण साधक संसार की बाह्य क्रियाओं से मुक्त होता है तथा शुद्ध चित्त से दिव्यता की ओर अग्रसर होता है।

साधक का मन समस्त लौकिक, सांसारिक बंधनों से विमुक्त होकर पद्मासना माँ स्कंदमाता के स्वरूप में पूर्णतः तल्लीन होने लगता है। इस समय साधक को पूर्ण सावधानी के साथ उपासना की ओर अग्रसर होना चाहिए। उसे अपनी समस्त ध्यान-वृत्तियों को एकाग्र रखते हुए साधना के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए।

माँ स्कंदमाता की उपासना से भक्त की समस्त इच्छाएँ पूर्ण हो जाती हैं। इस मृत्युलोक में ही उसे परम शांति और सुख का अनुभव होने लगता है। उसके लिए मोक्ष का द्वार स्वमेव सुलभ हो जाता है। स्कंदमाता की उपासना से बालरूप स्कंद भगवान की उपासना भी स्वमेव हो जाती है। यह विशेषता केवल इन्हीं को प्राप्त है, अतः साधक को स्कंदमाता की उपासना की ओर विशेष ध्यान देना चाहिए।

हमें एकाग्रभाव से मन को पवित्र रखकर माँ की शरण में आने का प्रयत्न करना चाहिए। इस घोर भवसागर के दुःखों से मुक्ति पाकर मोक्ष का मार्ग सुलभ बनाने का इससे उत्तम उपाय दूसरा नहीं है।

उपासना

प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। माँ जगदम्बे की भक्ति पाने के लिए इसे कंठस्थ कर नवरात्रि में पाँचवें दिन इसका जाप करना चाहिए।

या देवी सर्वभूतेषु माँ स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

अर्थ - हे माँ ! सर्वत्र विराजमान और स्कंदमाता के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूँ। हे माँ, मुझे सब पापों से मुक्ति प्रदान करें। इस दिन साधक का मन %विशुद्ध% चक्र में अवस्थित होता है। इनके विग्रह में भगवान स्कंदजी बालरूप में इनकी गोद में बैठे होते हैं।

सोमवार, 27 फरवरी 2023- श्रीगणेश की कृपा से आज किसे मिलेगा बिजनेस में लाभ, पढ़ें अपना राशिफल

मेष राशि

आज का भविष्य - व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

शुभ अंक - 08
शुभ रंग - स्लेटी
उपाय - किन्नरों को पैसा दान करें।

वृषभ राशि

आज का भविष्य - शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

शुभ अंक - 07
शुभ रंग - हरा
उपाय - सफेद मिठाई का दान करें।

मिथुन राशि

आज का भविष्य - अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्?थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है। लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति की बातों में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें, लाभ होगा।

शुभ अंक - 08
शुभ रंग - गुलाबी
उपाय - साबुत सुपारी का पूजन कर तिजोरी में रखें।

कर्क राशि

आज का भविष्य - धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा।

शुभ अंक - 02
शुभ रंग - गहरा लाल
उपाय - हल्दी का दान करिये।

सिंह राशि

आज का भविष्य - कष्ट, तनाव व चिंता का वातावरण बन सकता है। शत्रु पस्त होंगे। धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

शुभ अंक - 01
शुभ रंग - काला
उपाय - बांसुरी वाले की पूजा करें।

कन्या राशि

आज का भविष्य - पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। प्रमाद न करें।

शुभ अंक - 02
शुभ रंग - पीला
उपाय - कपूर की आरती करें।

तुला राशि

आज का भविष्य - पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दु-खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। किसी व्यक्ति विशेष की नाराजी झेलना पड़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

शुभ अंक - 01
शुभ रंग - महरून
उपाय - मेहंदी का दान करें।

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य - जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नौकरी में कार्यभार रहेगा। भागदौड़ रहेगी। आय होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

शुभ अंक - 09
शुभ रंग - स्लेटी
उपाय - मां लक्ष्मी की पूजा करें।

धनु राशि

आज का भविष्य - जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। प्रमाद न करें।

शुभ अंक - 05
शुभ रंग - नीला
उपाय - सुंदरकाण्ड का पाठ करें।

मकर राशि

आज का भविष्य - यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्?थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। प्रसन्नता रहेगी। जोखिम न उठाएं।

शुभ अंक - 03
शुभ रंग - हरा
उपाय - किसी विद्यार्थी को पुस्तक दान करें।

कुंभ राशि

आज का भविष्य - कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा। कार्य समय पर पूर्ण होंगे।

शुभ अंक - 05
शुभ रंग - सफेद
उपाय - शिवलिंग पर दूध से अभिषेक करें

मीन राशि

आज का भविष्य - घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें। पुराना रोग उभर सकता है। परिवार की चिंता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

शुभ अंक - 03
शुभ रंग - स्लेटी
उपाय - सूर्य को जल अर्पित करें।

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

ज्ञान, शिक्षा और संवेदना सफल जीवन के अंतर्निहित अवयव

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि %पाप से घृणा करो पापी से नहीं% फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि% ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं%। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं। हम सभी मूक प्राणियों वनस्पति आदि के प्रति ज्ञान का उपयोग दिखाकर उनके साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार कर समस्या का समाधान कर सकते हैं। आधुनिक तकनीक से अर्जित ज्ञान के उपयोग इनके संरक्षण में करने में हम सक्षम भी हैं। अतः प्राचीन काल से मान्यता रही है कि सार्थक, सफल, एवं प्रेरणादाई जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान का समन्वय कारी सदुपयोग एक आवश्यक तत्व है, इसके अभाव में जीवन कितना सार्थक सफल और मार्गदर्शी नहीं हो सकता है।

युवा छात्र एवं छात्राओ के लिए अब किसी भी प्रकार की परीक्षा के लिए एक ही बार शुल्क देना होगा- मुख्यमंत्री

हिन्दी भाषा ओर सरकारी स्कुल के बच्चो को मिलेगा मेडिकल मे आरक्षण

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। अमर शहीद भगतसिह, राजगुरू व सुखदेव के बलिदान दिवस पर युवा महा पंचायत एवं युवा निती विमोचन का कार्यकम आयोजन मोतीलाल नेहरू स्टेडियम भोपाल मे हुआ। जिसका पूरे प्रदेश मे वर्चुअल के माध्यम से कार्यक्रम का लाईव प्रसारण हुआ। आयोजति युथ महा पंचायत कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री श्री षिवराजसिह चौहान के संबोधन का लाईव प्रसारण स्थानिय मल्हार स्मृति आडिटोरिम देवास मे भी किया गया। मल्हार स्मृति आडिटोरियम मे आयोजित कार्यक्रम मे महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल, सभापति श्री रवि जैन, विधायक प्रतिनिधि श्री दुर्गेश अग्रवाल, निगम लोक निर्माण समिती प्रभारी श्री गणेश पटेल, पार्षद प्रतिनिधि श्री मुकेश मोदी के द्वारा प्रधानमंत्री स्व-रोजगार, स्व-निधि व संबल योजना के हितग्राहियो को लाभ वितरण के साथ युवा हितग्राहियो का सम्मान भी किया गया। आयोजित युथ महा पंचायत के कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री द्वारा युवाओ, छात्र, छात्राओ के लिए कई नई योजनाओ का लाभ दिये जाने के लिए कई योजनाऐं लागू की गई है। मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश मे नई निती के तहत अब अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी भाषा मे मेडिकल की पढाई किये जाने की निती भी

लागू की गई। जिससे अब हिन्दी भाषा के छात्र, छात्राओ को भी मेडीकल की पढाई करने मे सुविधा होगी साथ ही उन्हे कॉलेजो मे हिन्दी भाषा मे आरक्षण भी दिया जावेगा। मुख्यमंत्री द्वारा युथ महा पंचायत मे अपने उद्बोधन मे युवाओ को स्वावलंबी बनाने के लिए पढाई मे मेहनत कर आगे बडने हेतु कहा जिसमे किसी प्रकार की कोई कमी अगर होती तो उसके सुझाव भी मुख्यमंत्री के पास भेजे जाने हेतु कहा जिससे उच्च शिक्षा मे उन सुझावो मे से उच्च सुझावो को शामिल भी किया जावेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हमारे प्रदेश के छात्र एवं छात्राओ को शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद मे भी आगे बढाने के लिए अब प्रदेश मे शहर के साथ-साथ गांवो मे भी खेल ग्राउंड बनाये जावेगें तथा मध्य प्रदेश मे खेलो एमपी युथ गेम्स भी आयोजित किये जावेगें जिससे प्रदेश के साथ-साथ वे देश मे भी खेलकूद मे आगे रहे। युवा छात्र एवं छात्राओ के लिए अब किसी भी प्रकार की परीक्षा के लिए एक ही बार शुल्क (वन टाईम परीक्षा शुल्क) जमा करना होगा। वन टाईम परीक्षा शुल्क से सभी परीक्षाओ के साक्षात्कार मे भी छात्र एवं छात्रायें भाग ले सकगें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वर्चुअल के माध्यम से विभिन्न योजनाओ के लाभ वितरण भी किये। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि दुर्गेष अग्रवाल ने कहा कि युथ महा पंचायत के अवसर पर मुख्यमंत्री की नई षिक्षा निती योजनाओ से म.प्र. के युवा आत्मनिर्भर बनेगें ओर अपने परिवार को आगे बढोयेगें। सभापति रवि जैन ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेष के छात्र एवं छात्राओ को एक अवसर दिया है कि वे स्कील डेवलपमेंट मे भाग लेकर ट्रेनिंग मे भाग लेते है तो उन्हें 8 हजार की राषि का अलांउस भी मिलेगा जिससे उन्हे रोजगार भी मिलेगा। इस अवसर पर महापौर, सभापति एवं विधायक प्रतिनिधि ने युवा एवं छात्र, छात्राओ को बधाई भी दी। मल्हार स्मृति आडिटोरियम मे आयोजित कार्यक्रम मे बडी संख्या मे युवाओ ने उपस्थित रहकर मुख्यमंत्री के उद्बोधन को सुना। कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथीयो का स्वागत उपायुक्त वित्त पुनित शुक्ला, कार्यालय अधीक्षक अशोक उपाध्याय, सहायक यंत्री इंदुप्रभा भारती, जगदीश वर्मा, सौरभ त्रिपाठी, जितेन्द्र सिसोदिया, राघवेन्द्र सेन, पलक श्रीवास्तव, जीवन रावत, श्याम सुन्दर रघुवंशी, विशाल जगताप, के द्वारा पुष्पमाला से किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द त्रिवेदी ने किया।

जिला स्तरीय रोजगार दिवस सम्मेलन में 63 हितग्राहियों को 128.49 लाख का ऋण वितरण

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कैलाश वानखेड़े के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय रोजगार दिवस सम्मेलन कार्यक्रम शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित कर शासन की विभिन्न स्व-रोजगार योजनाओं में 63 हितग्राहियों को 128.29 लाख रुपए का ऋण वितरण किया किया। जिले में 01 अप्रैल 2022 से 23 मार्च 2023 तक स्व-रोजगार योजनाओं में कुल 4182 हितग्राहियों को 3678.6 लाख रुपए का ऋण वितरण किया जा चुका है। जिला स्तरीय कार्यक्रम कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती का पूजन कर किया गया। इस अवसर पर स्व-रोजगार से जुड़े विभागों के अधिकरियों ने युवाओं को स्व-रोजगार योजना की जानकारी देकर उनका लाभ लेने का आव्हान् किया। कार्यक्रम स्थल पर राज्य स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सम्बोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ डीएस रणदा, अतिरिक्त सीईओ जितेन्द्र सिंह सेंगर, एलडीएम, डीपीएम एनआरएलएम संजीव सक्सेना, उद्योग विभाग के योगेश बोहरे सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन एवं आभार प्रदर्शन सांख्यकीय अधिकारी संजीव पाटील द्वारा किया गया।

समर्थन मूल्य पर खरीदी 25 मार्च से

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा किसानों से अपील की गई है कि गेहूं, चना, मसूर, सरसो समर्थन मूल्य पर शासन के द्वारा खरीदी के लिए शासन ने उपार्जन की तिथि 25 मार्च, 2023 से 10 मई, 2023 तक निर्धारित की गई है। जिले में 42 उपार्जन केन्द्र स्थापित किये गये है। सभी किसान अपनी उपज को बेचने के लिए शासन द्वारा स्वयं के मोबाईल से, एमपी ऑनलाईन कियोस्क सेंटर, कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केन्द्र के साथ उपार्जन केन्द्र पर जाकर अपना स्लॉट स्वयं की सुविधा के अनुसार बुक कर सकते है। स्लॉट बुक करने के लिए किसान का मोबाईल नंबर एवं आधार या समग्र आईडी द्वारा आधार ओटीपी से अपना स्लॉट अपनी सुविधा अनुसार उपार्जन सेंटर पर बुक कर सकता है। स्लॉट की बुकिंग शनिवार एवं रविवार को छोड़कर की जा सकती है। किसान को स्लॉट बुक करने की दिनांक से 07 कार्यदिवस के भीतर अपनी फसल उपार्जन केन्द्र पर ले जाना अनिवार्य है। किसान अपने स्लॉट की बुकिंग खरीदी के अंतिम 10 दिवस से पूर्व तक ही कर सकता है। साथ ही किसानों को यह सलाह दी जाती है कि स्लॉट बुक करने के उपरांत अपनी फसल उपार्जन केन्द्र पर बेचने से पूर्व जिस खाते में किसान भुगतान चाहता है उस खाते को डीबीटी से लिंक करवाना अनिवार्य है क्योंकि भुगतान की व्यवस्था आधार लिंक खाते से की गई है, जिससे कृषक को समय पर भुगतान किया जा सके।

बिजली बिल बकाया होने पर 10 लोगों पर होगी कुर्की की कार्यवाही

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यपालन यंत्री म.प्र.प.क्षे.वि.वि.क.लि.देवास ने बताया कि विभाग द्वारा राजस्व वसूली टीम बकायादारों पर लगातार कार्यवाही कर रही है। विद्युत बिल की बकाया राशि जमा नहीं करने पर कुर्की की कार्यवाही की जा रही है। बिजली बिल बकाया होने पर विद्युत विभाग ने महात्मा गांधी कालोनी निवासी कमालुददीन जमालुददीन पर 65 हजार 717 रूपये, पशुहाट निवासी लेईक इकबाल पर 53 हजार 567 रूपये, पुष्पकुंज कालोनी निवासी रमेश ठाकुर पर 37 हजार 764 रूपये, नागदा गोया निवासी मेहरबान पर्वतलाल पर 52 हजार 278 रूपये, नागदा निवासी ब्रजलाल बालाजी पर 34 हजार 396 रूपये, रसुलपुर निवासी भुरू अली शहादत अली पर 40 हजार 158 रूपये, शांतिपुरा निवासी प्रहलाद जगन्नाथ पर 51 हजार 865 रूपये, देवास निवासी मंजु खान अहमद खान पर 59 हजार 643 रूपये, पठान कुआ निवासी हमीद खान हसन खान पर 67 हजार 948 रूपये, जबरन कालोनी निवासी सीमा पति कमल पर 67 हजार 893 रूपये बकाया होने पर कुर्की की कार्यवाही की जावेगी।

पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों की बैठक आयोजित

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर कैलाश वानखेड़े की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के संबंध शुक्रवार को जिला पंचायत आगर के सभाकक्ष में ग्राम पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायकों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि 25 मार्च से गांवों में शिविर लगाकर मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में शिविर लगाकर आवेदन भरने का कार्य किया जाए। शिविर स्थल पर तीन स्टॉल लगाएं, जिसमें प्रथम पर समग्र नाम, आधार लिंक आदि की जानकारी के लिए, द्वितीय स्टॉल पर जिनके समग्र से आधार लिंक नहीं हैं, उनके लिए तथा तीसरे स्टॉल पर ऑनलाईन आवेदन करने का कार्य किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में आवेदन ऑनलाइन भरने का कार्य सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए, ऑनलाइन आवेदन के लिए पर्याप्त संसाधन की व्यवस्था रखें। शिविरों का आयोजन शासकीय स्कूल, आंगनवाड़ी भवन, स्वास्थ्य केंद्र, पंचायत भवन पर किया जाए, शिविर स्थल का चयन करते हुए यह भी सुनिश्चित करे कि वहां पर्याप्त नेटवर्क उपलब्ध हो ताकि ऑनलाइन आवेदन के दौरान कोई समस्या नहीं आए। शिविरों में महिलाओ को अत्यधिक भीड़ एकत्रित नहीं हो इसके लिए टोकन व्यवस्था भी प्रारंभ की जाए। साथ ही एक गांव में कब से कब तक शिविर का आयोजन होगा, इसकी जानकारी भी चस्पा कर दी जाए, जिससे अधिक भीड़ एकत्रित नहीं हो। उन्होंने कहा कि शिविर स्थल पर महिलाओं के लिए छांव, शुद्ध पेयजल, पर्याप्त मात्रा में बैठक एवं टेंट व्यवस्था की जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत डीएस रणदा, अतिरिक्त सीईओ जितेन्द्र सिंह सेंगर सहित ग्राम पंचायत के सचिव एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

गणगौर तीज, अखंड सौभाग्य के लिए महिलाओं ने रखा व्रत

नगर में धूमधाम से निकला गणगौर पर्व का चल समारोह

राजस्थानी वेशभूषा में निकली महेश्वरी समाज की महिलाएं

भोरासा/दैनिक मालवा हेरल्ड। चैत्र शुक्ल तृतीया तिथि पर गणगौर पर्व मनाने की परंपरा है महिलाए इस पर्व को श्रद्धा पूर्वक मनाती है यूं तो इस त्योहार की शुरुआत होली के दूसरे दिन से हो जाति है और अगले 16 दिनों तक इसे मनाया जाता है चैत्र शुक्ल की तृतीया को इसकी पूर्णता होती है इस दिन शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सौभाग्य के लिए व्रत रखती हैं तो वही कुंवारी बालिका मनचाहे वर की प्राप्ति के लिए यह व्रत रखती है गणगौर तीज को सौभाग्य तृतीया के नाम से भी जाना जाता है रंग और तीज के एक दिन पहले कुवारी और नवविवाहित महिलाएं पूजी हुई गणगोर को नदी तालाब सरोवर में पानी पिलाती है और दूसरे दिन शाम को विसर्जन कर दिया जाता है आज शुक्रवार को भोरासा नगर समेत संपूर्ण क्षेत्र में गणगौर का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और माता गणगौर की पूजा की मां पार्वती के रूप में यह पूजा की जा

जाती है और भगवान भोलेनाथ को भी ईश्वर के रूप में श्रद्धा और आस्था के साथ याद किया जाता है इस पर्व पर महिला अपने पति और परिवार की मंगल कामना करती हैं अच्छे वर के लिए बालिकाओ के द्वारा पूजन किया जाता है नगर मे लगातार यह पूजा की जा रही थी शुक्रवार को भी पूजन किया गया 16 दिनों से गणगौर माता की पूजा आराधना लगातार की जा रही थी दोहे और मंगल गीत गाए जा रहे थे पिछले 15 दिनों से लगातार नगर मे बाने निकाले जा रहे थे वही माता की पूजा करके मंगल कामना मांगते हुए गीत गाये गए इस त्यौहार को खासतौर से मंदिरों में मिट्टी की गणगौर माता की मूर्ति बनाई गई थी बाद में उन्हे ठंडा किया गया गणगौर माता से महिलाएं मंगल कामना करती हैं आज शुक्रवार को महिलाओं ने नगर मे एक बाना निकाला और नगर मे अन्य महिलाओ ने भी माहेश्वरी समाज के साथ जुलूस बाना निकाला गया वही महेश्वरी समाज की महिलाएं राजस्थानी ड्रेस पहनकर राजस्थानी वेशभूषा में निकली वही इस वर्ष जिनकी शादी हुई उनके उद्यापन हुए हैं माहेश्वरी समाज महिला संघ अध्यक्ष संध्या जाजू ने बताया कि हर वर्ष हर्षोल्लास के साथ गणगौर का पर्व मनाते हैं जो इस वर्ष भी यह त्यौहार मनाया गया भगवान से अपने परिवार व क्षेत्र की खुशहाली के लिए मंगलकामनाएं की है वही महेश्वरी धर्मशाला से एक बाना निकाला गया जो बजाज साहब के चोपड़े पर पहुंचा यहां पर महिलाओं द्वारा गणगौर माता की पूजा अर्चना कर गीत गाए गए इसके बाद यहां से फिर महेश्वरी धर्मशाला यह बाना पहुंचा और यहां पर इस पर्व का समापन हुआ इस अवसर पर बड़ी संख्या में महेश्वरी समाज की महिलाएं उपस्थित रही।

वन विभाग द्वारा जन-जन तक शिविर के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। वन विभाग द्वारा वन संरक्षक पी.एन. मिश्रा के निर्देश एवं मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र पानीगांव अंतर्गत ग्राम वन समितियों तथा वनों के संरक्षण हेतु जन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन मे अतिथी के रूप में जनपद पंचायत कन्नौद के सीओ श्री लाखनसिंह सिसोदिया थाना प्रभारी कांटाफोड श्री के एल वरकडे वन परिक्षेत्र अधिकारी कांटाफोड सुश्री रितु चौधरी, नायब तहसीलदार कन्नौद श्री अखिलेश शर्मा, विधायक प्रतिनिधि श्री लोकेन्द्रसिंह राठौड, श्री धर्मेन्द्र जायसवाल उपस्थित हुए।

ग्राम वन समिति हथनौरी के अध्यक्ष श्री मांगीलाल कसान तथा उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समस्त अतिथियों का स्वागत समिति अध्यक्ष तथा विभागीय कर्मचारियों द्वारा किया गया। स्वागत भाषण श्रीमती उषा रावत वनपाल द्वारा दिया गया।

डी. एस. चौहान परिक्षेत्र अधिकारी पानीगांव द्वारा शिविर के आयोजन की आवश्यकता तथा महत्व एवं उद्देश्य से सभी को अवगत कराया। अतिथि जनपद सी ओ श्री सिसोदिया द्वारा बताया गया कि वन ही हमारा

कल है वनो का संरक्षण ही भविष्य का संरक्षण है थाना प्रभारी श्री वरकडे द्वारा पुलिस विभाग तथा वन विभाग में समानता दर्शाते हुए बताया की जिस तरह पुलिस समाजिक विकास तथा समाज की रक्षा हेतु सदैव तत्पर है ताकि समाज सुरक्षित रहे उसी प्रकार वन विभाग बनो की सुरक्षा संरक्षण तथा विकास हेतु निरंतर तत्पर रहते हुए कार्य करते हैं तथा वनों का संरक्षण सभी का कर्तव्य है। वही नायब तहसीलदार श्री शर्मा द्वारा वनो को अपनी अमुल्य धरोहर तथा पर्यावरण एवं सामान्य जिवन मे वनो की आवश्यक्ता तथा उपयोगिता को जाहिर किया।

परिक्षेत्र अधिकारी कांटाफोड सुश्री चौधरी द्वारा वनों में आग न लगाने की अपील के साथ साथ बनो से मानव जाति को होने वाले प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष प्रभाव एवं लाभ से सभी को अवगत कराया। विधायक प्रतिनिधि श्री राठोड द्वारा वनो की आवश्यक्ता संरक्षण तथा विकास की बात कही मण्डल उपध्यक्ष श्री जायसवाल द्वारा बनो के बिना जिवन में होने वाली कठिनाईयों से अवगत कराया गया।

इसी कडी में वरिष्ठ पत्रकार श्री दिनेश पंचोली ने अपने साथ हुए कोरोना काल की घटना का जिक्र करते हुए वन आक्सीजन हेतु कितने उपयोगी हैं तथा जिवन मे बनो के महत्व को प्रदर्शित किया। वही भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्री महेन्द्र एस जाट तथा इलेक्टोनिक मिडिया से उपस्थित श्री दीपक शर्मा एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री कैलाश मुदगल द्वारा भी अपने अनुभव तथा वनो के महत्व को समझाते हुए वनों के संरक्षण की बात कही गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अजजा मोर्चा के महामंत्री श्री सीयाराम के बारे में ग्राम पंचायत सुंद्रेल के सरपंच श्री गिरधर पटक पंचायत सचिव श्री इन्दरसिंह रावत ग्राम वन समिति के अध्यक्ष रामलाल उईके जुलाल चौहान ओमप्रकाश उके, मी कमलणा, भीमसिंह, कब्जालाल लालसिंह, विभागीय कर्मचारी ज़ भवरसिंह इवने वनपाल , वन रक्षक विनोद कुमार सिंह, जुगलकिशोर पाटीदार, संतोष पाटीदार सचिन मंडलोई, नीरज शर्मा, रामेश्वर तिवारी, फूलसिंह जाधव, केलाश नंदानिया, नमित तिवारी, और समिति सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वृन्दावन (बिट्टू) मीणा द्वारा किया गया तथा आभार परिक्षेत्र कार्यालय प्रभारी श्री अवधराज मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया।

कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने विश्व क्षय दिवस पर जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

देवास जिले में 24 मार्च से 01 अप्रैल तक विश्व क्षय सप्ताह में होगी जागरूकता गतिविधियां

देवास/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिवर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस मनाया जाता है। इसी के तहत आज कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने विश्व क्षय दिवस पर जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना। इस दौरान कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने मरीजों को फुट बास्केट वितरित किए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम में सभी सहयोग प्रदान करें। जिले के अधिक से अधिक निक्षय मित्र बनकर अधिक से अधिक टीबी के मरीजों की मदद करे उनकी दवाईयों और पोषण मे सहयोग प्रदान करे। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ एम.पी. शर्मा, जिला क्षय अधिकारी डॉ शिवेन्द्र मिश्रा, सतीष शर्मा डिस्ट्रीक कोर्डिनेटर डीआरटीबी, अमलतास मेडिकल कालेज के प्रबंधक, चिकित्सक स्टॉफ और नागरिक उपस्थित थे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एम.पी.शर्मा ने बताया कि टी.बी रथ में एलईडी लगायी गयी है, जो कि जिले के समस्त विकासखण्ड बरोठा, सोनकच्छ, टोंकखुर्द, बागली, कन्नौद, और खातेगांव में भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेगा। टीबी रोग के प्रति लोगों में जन जागृति आएगी। टीबी रोग के लक्षण निदान और उपचार के बारे में जानकारी दी जावेगी और भ्रांतियों को दूर किया जावेगा। उन्होंने बताया कि जिले में जिला मुख्यालय सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थाओं में जागरूकता गतिविधियां आयोजित कर जागरूकता अभियान चलाया गया ताकि लोगों को इस बीमारी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी मिल सके। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत हेतु टीबी मरीजों का उपचार के साथ साथ पोषण आहार भी आवश्यक है। इसके अंतर्गत कोई भी व्यक्ति निक्षय मित्र बनकर टीबी के मरीज को गोद लेकर 6 माह तक फुट बास्केट दे सकता है। इसी के अंतर्गत अमलतास अस्पताल द्वारा 100 मरीजों को फुड बास्केट का वितरण किये गये।

ढोंग की जिंदगी जीने से अच्छा है की हम ढंग की जिंदगी जीए-पंडित प्रदीप मिश्रा

पहली बार पंचपुष्प के नाम से हो रही है श्री शिवपुराण की कथा »»बदनावर, ढोलाना, राजोद के भक्तो के खत भी पड़े मिश्रा जी ने

बदनावर/मनीष शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान शंकर पर चढ़ने वाले पांच पुष्प के बारे में शुरू हुई शिवमहापुराण की कथा के पहले दिन पंडित मिश्रा ने कथा में बताया की अच्छा कुल किसे कहते है। कुल में 60 पीढ़ी में भी एक भगवान का भजन करने वाला पैदा हो जाए तो समझ लो की वह अच्छा कुल है। पराजिता या हर श्रृंगार का पुष्प के बारे में बताया की भगवान शंकर को चढ़ने वाले पांच पुष्प में से एक है। एक पारिजात के पुष्प को चढ़ाना चालू कर दिया तो आपको पीछे पलटने की जरुरत नहीं पड़ेगी महादेव आपका हाथ पढ़कर आपकको पार लगा देंगे। इस पुष्प की नारंगी डंडी को छाँव में सुखाकर इसको पीसने से केसर बनती है इसे भोलेनाथ पर लगाना चाहिए। यह पुष्प तीन प्रकार के शिवालय पर चढ़ाने से विभन्न प्रकार की समस्या से मुक्ति मिलती है।

व्यासपीठ पर बदनावर क्षेत्र के भक्तो के तीन खत को भी पंडित मिश्रा ने सबके सामने पढ़ा। पहला खत विनीता पति अजय ढोलाना ने खत में बताया की संतान नहीं होने पर लोग ताने मारते थे, जब आपकी कथा टीवी पर सुनी तो मेने भी बाबा से कहती थी की मुझे भी पुत्र दे देना, बाबा की कृपा से आपके बताये उपाय से आज मेरा पुत्र है। ग्राम राजोद से

भी निर्मला शंकरलाल दुबे एवं बदनावर के गिरधारीलाल वर्मा का भी खत पड़ा वर्मा ने भी अपने खत में लिखा की मुझे एक्ज़िमा रोग से ग्रसित था डॉक्टर ने बताया की यह नहीं जायेगा पर मेरी पुत्री ने आपके बताये बिलपत्र एवं रुद्राक्ष के उपाय को विधि विधान से किया तो मात्र 20 दिन में मुझे आराम मिला ओर आज में पूर्ण रूप से स्वस्थ हु।

कथा श्रवण करने हेतु लगभग 25-30 हज़ार की संख्या में जनसमूह उमड़ा था। कथा के बीच में भजन पर सभी श्रोता नाचने लग गए। कथा शुरू होने के पहले तेज हवा की वजह से पांडाल में लगाई गई 10 फिट की एलईडी स्क्रीन नीचे गिर गई जिसमे बेटमा की महिला गंगा कुंवर के सिर पर गहरी चोट आई। पंडाल में उपस्तिथ कार्यकर्ता ने महिला को निकला। तुरंत ही कांग्रेस नेता टिंकू बना एवं युवा नेता जिमि बना ने अपनी गोद में महिला को उठाकर नजदीक के आरोग्य केंद्र पर पहुंचाया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद बहार रेफर किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य झलकिया

* सुबह से ही लोगो का आना शुरू हो गया था।
* दोपहर 12 बजे तक पंडाल भरा गया था।
* सुरक्षा के लिए पुरुष बाउंसर के साथ महिला बाउंसर भी थी।
* आधा घंटे लेट पहुंचे पंडित प्रदीप मिश्रा।
* बजरंग दल के कार्यकर्ता ने पार्किंग व्यवस्था को संभाला।
* कई भाजपा के कार्यकर्त्ता भी व्यवस्था संभालते नज़र आये।

लाड़ली बहना योजना महिलाओं की जिन्दगी बदलने का मिशन - मुख्यमंत्री श्री चौहान

25 मार्च से लिए जाएंगे योजना के आवेदन

मुख्यमंत्री ने योजना क्रियान्वयन के संबंध में मंत्रीगण, सांसद, विधायक और कलेक्टरों से की वर्चुअल चर्चा

भोपाल /दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 25 मार्च से प्रदेश में मातृ शक्ति की सेवा का महायज्ञ आरंभ हो रहा है। महिला सशक्तिकरण के लिए लागू की गई मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में 25 मार्च से आवेदन प्राप्त करना आरंभ किया जाएगा। यह साधारण कार्य नहीं, अपितु महिलाओं की जिन्दगी बदलने का मिशन है। सभी जन-प्रतिनिधि और अधिकारी-कर्मचारी योजना के क्रियान्वयन से मिशन मोड में अंतर्मन से जुड़ें। योजना लागू करने की सफलता इसी में है कि हम बिना परेशानी और कठिनाई के महिलाओं के आवेदन प्राप्त करें। इसके लिए प्रत्येक ग्राम और वार्ड में संवेदनशीलता के साथ आवेदन प्राप्त करने की व्यवस्था की जाए। जिला स्तर पर अग्रिम रूप से विस्तृत और माइक्रो प्लानिंग कर गतिविधियाँ क्रियान्वित की जाएँ। गाँव और वार्ड में लगने वाले शिविरों की जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान समस्त मंत्रीगण, सांसद, विधायक और कमिश्नर-कलेक्टर्स से लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन संबंधी वर्चुअली संवाद कर रहे थे। मुख्यमंत्री निवास स्थित कार्यालय समत्व भवन में हुई बैठक में वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव महिला-बाल विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ई-केवाईसी के लिए पैसा माँगने वालों के विरूद्ध एफआईआर कर कड़ी कार्यवाही करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ई-केवाईसी करने के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि उपलब्ध कराई जा रही है। यदि कोई भी व्यक्ति ई-केवाईसी करने के लिए पैसा माँगता है तो उसके विरूद्ध तत्काल एफआईआर कर कड़ी कार्यवाही की जाए। ई-केवाईसी के लिए बनाए गए केन्द्रों पर यह स्पष्ट लिखा जाए कि ई-केवाईसी निःशुल्क होगा। इसके लिए किसी को कोई पैसा देने की जरूरत नहीं है, ई-केवाईसी करने का पैसा राज्य सरकार द्वारा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गाँव या वार्डों में नेटवर्क की समस्या के कारण ई-केवाईसी करने में कठिनाई हो, वहाँ की बहनों को जिला प्रशासन द्वारा वाहन की व्यवस्था कर अन्य केन्द्रों पर ले जाकर ई-केवाईसी कराया जाए। योजना में शत-प्रतिशत आवेदन सुनिश्चित करने के लिए पैम्फलेट का वितरण, लोक गीतों से और मुनादी करा कर प्रचार-प्रसार करें। अंतिम सूची गाँव और वार्डों में सार्वजनिक स्थलों पर चस्पा की जाएगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय से होगी मॉनिटरिंग- समस्या समाधान के लिए जारी होगा फोन नम्बर

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में कोई समस्या न आए, इसके लिए सतत् मॉनिटरिंग के साथ आवश्यक समन्वय के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को भी दायित्व सौंपा जा रहा है। महिला-बाल विकास विभाग की ओर से फोन नम्बर जारी किया जाएगा, जिस पर समस्या समाधान के लिए संपर्क किया जा सकेगा।

योजना की टाईम लाइन

योजना पर दिए गए प्रस्तुतिकरण में आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज, ई-केवाईसी, आधार लिंक और समग्र आईडी से संबंधित जानकारियाँ दी गईं। योजना क्रियान्वयन के लिए जिलों में जारी तैयारियों की जानकारी लेते हुए बताया गया कि आवेदन 25 मार्च से प्राप्त किए जाएंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के भोपाल कार्यक्रम में पहुँचने की बनाई रणनीति

बूथ समिति पन्ना समिति पन्ना प्रमुख और परिवार प्रमुख बनाये जाने की समीक्षा की गई

मन की बात कार्यक्रम सुनना सुनाना सभी के लिए अहम जिम्मेदारी

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा। आगामी 26 मार्च रविवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रसाद नड्डा का भोपाल आगमन हो रहा है उक्त कार्यक्रम में सभी स्तर के कार्यकर्ताओं नेताओं पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों का पहुंचना अनिवार्य है! और हमें यह सुनिश्चित करना है कि नियत तारीख नियत समय पर सभी लोग भोपाल पहुंचे! बूथ विस्तार 2.0 के अंतर्गत बूथ समिति पन्ना समिति पन्ना प्रमुख परिवार प्रमुख बनाए जाने की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है और इसे हर हाल में 3 दिवस के अंदर पूरा करना है! उक्त विषय पर चर्चा और निर्देश तथा उद्गार भाजपा की गत दिवस अग्रवाल मैरिज हाल में संपन्न हुई बैठक में भाजपा पदाधिकारियों ने व्यक्त किए! बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के भोपाल आगमन में पहुंचने की रणनीति विस्तृत रूप से बनाई गई! इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास दिक्षित व्यापारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक मोहन गुप्ता नगर परिषद उपाध्यक्ष रामभरोसे यादव भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कमल सक्सेना ने कार्यकर्ताओं को आगामी रणनीति के बारे में विस्तार से समझाया! कार्यक्रम में भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य मनीष मन्नू यादव सोशल मीडिया प्रभारी दीपक चौहान समर्पण निधि अभियान प्रभारी अमित गोस्वामी सुदर्शन सोनी रामबाबू सक्सेना विकास जायसवाल रवि शर्मा अनिल विश्वकर्मा शैलेंद्र मालवीय राधेश्याम कुशवाहा जीवन विश्वकर्मा चेतन कथोरिया संजय यादव संजय तिवारी दीपक कुशवाहा आदि अनेक कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे!

मुख्यमंत्री चौहान के साथ स्कूली बच्चों ने लगाए पौधे

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स उद्यान में किड्जी हाई स्कूल के बच्चों के साथ नीम, कदंब और गुलमोहर के पौधे लगाए। पौध-रोपण में अविरल, एंजल, हार्दिक काव्यांश, पार्थ, समीक्षा, समृद्धि, स्वेच्छा, वेदांशी, अक्षिता और शिवांशी शामिल हुए। स्कूल की शिक्षिका प्रेरणा सिन्हा, दीपशिखा श्रीवास्तव, सुश्री शिवाली सिंह, सुश्री निधि विश्वकर्मा, श्वेता ठाकुर और नाजिया सुल्ताना ने भी पौधे लगाए। मुख्यमंत्री चौहान के साथ बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य बृजेश चौहान और सर्वश्री अश्विनी चौहान, अंशुल चौहान, विकास चौहान, संजीव चौहान, राजाराम नामदेव ने भी पौध-रोपण किया।

पत्रकार स्व. वैदिक जी की स्मृति को चिरस्थाई बनाया जायेगा- मुख्यमंत्री चौहान

स्व. डॉ. वैदिक और स्व. श्री छजलानी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भोपाल /दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वरिष्ठ पत्रकार स्व. वेदप्रताप वैदिक में अपार हिन्दी प्रेम भरा हुआ था। उन्होंने हिन्दी के लिए लगातार संघर्ष किया और हिन्दी भाषा में हस्ताक्षर करने का अभियान चलाया। वैश्विक स्तर पर उनके अच्छे संबंध थे। वे हर क्षेत्र में आगे रहते थे। स्व. वैदिक जी की स्मृति को चिरस्थाई बनाने का कार्य किया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान एम.पी. नगर स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में स्व. डॉ. वेदप्रताप वैदिक की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभी भी विश्वास नहीं होता है कि वैदिक जी हमारे बीच नहीं हैं। उनसे मेरी निरंतर बात होती थी। वे मुझे पत्रकार से बढ़ कर बड़े भाई लगते थे। सरस्वती जी उनकी कलम में विराजती थी। वे 13 साल की उम्र में हिन्दी सत्याग्रही बन गए थे। उन्होंने हिन्दी भाषा के लिए लगातार संघर्ष किया। स्व. वैदिक जी भौतिक रूप से चले गये, लेकिन वे हमेशा अमर रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अंग्रेजी का मतलब विद्वता कतई नहीं हैं। यह मानसिक गुलामी का प्रतीक है। मैं जहाँ भी जाता हूँ वहाँ गर्व से हिन्दी बोलता हूँ। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान बुरा नहीं है, लेकिन मानसिक गुलामी को उतार फेंक दें तो यही वैदिक जी के लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि मेडिकल की पढ़ाई में हिन्दी के लिए सीटें रिजर्व की जायेंगी। हर देश अपनी भाषा पर गर्व करता है। हमें हिन्दी भाषा पर गर्व होना चाहिए।मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्व. श्री अभय छजलानी जी के चरणों में भी श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि स्व. डॉ. वैदिक और स्व. श्री छजलानी ज्ञान, भक्ति और कर्म के त्रिवेणी संगम थे। मध्यप्रदेश हीरों की खदान है, प्रदेश में फिर कोई नया हीरा यहीं से निकलेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शुरूआत में स्व. डॉ. वैदिक जी की जीवन उपलब्धियों पर केन्द्रित चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन और विकल्प समाचार-पत्र के विशिष्ट अंक का विमोचन किया। स्व. डॉ. वेदप्रताप वैदिक के जीवन पर केन्द्रित फिल्म भी दिखाई गई।

जायसवाल बने वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा/दैनिक मालव हेराल्ड। अखिल भारतीय जायसवाल सर्व वर्गीय महासभा के राष्ट्रीय संरक्षक व संस्थापक जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन कलाल समाज को एकत्रित और संगठित करने में लगाया श्री बालेश्वर दयाल जी जायसवाल बाबू जी नागदा,, महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री किशोर जी जायसवाल इंदौर, महासभा के राष्ट्रीय महासचिव श्री पूरणचंद्र जी जायसवाल झरीवाल जयपुर ,राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष छोटे लाल गुप्ता दिल्ली की सहमति से महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पर मध्य प्रदेश राजगढ़ जिले के पचोर के समाजसेवीएडवोकेट मनोहर जायसवाल की नियुक्ति की गई। जिनका सफरनामा समाज को संगठित करने में 20 वर्षो से कार्यरत हैं पूर्व में भी दो कार्यकाल से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सामाजिक संगठनों में रहे ऐसे गौ भक्त वर्तमान में भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड भारत सरकार में पशु कल्याण प्रतिनिधि मध्य प्रदेश के दायित्व पर कार्यरत हैं एडवोकेट मनोहर जायसवाल को महासभा का वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किये जाने पर राजनीतिक आर्थिक सामाजिक जगत के ईष्ट मित्रो ने बधाई दी।

शहरी क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माण तथा अनुमति के विरूद्ध अतिरिक्त निर्माण पर कार्यवाही का विशेष अभियान एक अप्रैल से

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि अवैध निर्माण गतिविधियों पर विशेष अभियान चला कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य-योजना बना कर एक अप्रैल से अभियान प्रारंभ करें।

श्री मंडलोई ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के फैलाव और नये क्षेत्रों को जोड़े जाने से भवन निर्माण गतिविधियों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि से भी नये आवासों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह संज्ञान में आ रहा है कि भवन निर्माण कार्यों में से कई कार्य बिना अनुमति अथवा अनुमति के विरूद्ध अतिरिक्त निर्माण के रूप में किये जा रहे हैं, इससे शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माण कार्यों की संख्या में वृद्धि हो रही है तथा शहरों के सुनियोजित विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्र में 5 हजार वर्गफीट से अधिक सभी निर्माणाधीन / निर्मित भवनों की भवन अनुज्ञा का शत-प्रतिशत अनिवार्यतः निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि यह निर्माण कार्य नगरीय निकायों द्वारा प्रदत्त भवन अनुज्ञा के अनुसार ही हुआ है। अगर निर्माण कार्य बिना अनुमति अथवा अनुमति के विरूद्ध किया गया है, तो मध्यप्रदेश नगर निगम अधिनियम 1956 / मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि जो प्रकरण कम्पाउंडिंग योग्य हैं, उनकी नियमानुसार कम्पाउंडिंग की जाये तथा जो प्रकरण कम्पाउंडिंग योग्य नहीं हैं, उन पर नियमानुसार अवैध निर्माण हटाने की कार्यवाही करें।

शहरी क्षेत्रों में हो रहे अवैध निर्माण तथा अनुमति के विरूद्ध अतिरिक्त निर्माण पर कार्यवाही का विशेष अभियान एक अप्रैल से

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मंडलोई ने सभी नगरीय निकायों को निर्देशित किया है कि अवैध निर्माण गतिविधियों पर विशेष अभियान चला कर कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कार्य-योजना बना कर एक अप्रैल से अभियान प्रारंभ करें।

श्री मंडलोई ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के फैलाव और नये क्षेत्रों को जोड़े जाने से भवन निर्माण गतिविधियों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। शहरी क्षेत्रों में जनसंख्या वृद्धि से भी नये आवासों की संख्या में वृद्धि हो रही है। यह संज्ञान में आ रहा है कि भवन निर्माण कार्यों में से कई कार्य बिना अनुमति अथवा अनुमति के विरूद्ध अतिरिक्त निर्माण के रूप में किये जा रहे हैं, इससे शहरी क्षेत्रों में अवैध निर्माण कार्यों की संख्या में वृद्धि हो रही है तथा शहरों के सुनियोजित विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है।

प्रमुख सचिव ने कहा कि शहरी क्षेत्र में 5 हजार वर्गफीट से अधिक सभी निर्माणाधीन / निर्मित भवनों की भवन अनुज्ञा का शत-प्रतिशत अनिवार्यतः निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि यह निर्माण कार्य नगरीय निकायों द्वारा प्रदत्त भवन अनुज्ञा के अनुसार ही हुआ है। अगर निर्माण कार्य बिना अनुमति अथवा अनुमति के विरूद्ध किया गया है, तो मध्यप्रदेश नगर निगम अधिनियम 1956 / मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम 1961 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाये। उन्होंने कहा कि जो प्रकरण कम्पाउंडिंग योग्य हैं, उनकी नियमानुसार कम्पाउंडिंग की जाये तथा जो प्रकरण कम्पाउंडिंग योग्य नहीं हैं, उन पर नियमानुसार अवैध निर्माण हटाने की कार्यवाही करें।

नगरीय निकायों में जीआईएस सर्वे के माध्यम से वर्तमान सम्पत्तियों एवं नवीन सम्पत्तियों का चिन्हांकन किया जा रहा है। सर्वे में निकाय के ब्ल्ह्यद्द ऱ्ह्रुश्च पर सभी सम्पत्तियों की जानकारी उपलब्ध है। अतः निकाय सुनिश्चित करें कि जितनी सम्पत्तियाँ सर्वे में पायी गयी हैं ,उन सभी सम्पत्तियों / भवनों की भवन अनुज्ञा ली गयी है और प्रदत्त भवन अनुज्ञा अनुसार ही निर्माण कार्य किया गया है।

वर्तमान में भवन अनुज्ञा के लिए संचालित अंतर्गत यह देखने में आया है कि अधिकतर कम्पाउंडिंग / प्रशमन (ञ्4श्च्-2) के प्रकरण नागरीकों द्वारा स्वतः ही आवेदन कर कराये गये हैं।

लेख-फलों और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाना चाहिए

मानव प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए दैनिक आहार में फल और सब्जियां बेहद महत्वपूर्ण हैं। फलों और सब्जियों में मुख्य रूप से कई औषधीय गुणों के साथ विभिन्न खनिज, रेशेदार पदार्थ, एंटीऑक्सिडेंट, फेनोलिक्स और रासायनिक घटक होते हैं। जो अनाज, दाल, तिलहन जैसे खाद्य पदार्थों में कमी पाई जाती है। इसलिए स्वाभाविक रूप से फलों और सब्जियों को सुरक्षात्मक खाद्य पदार्थ भी कहा जाता है। इष्टतम स्वास्थ्य के लिए, सभी को अपने दैनिक आहार में 280 ग्राम विभिन्न प्रकार की सब्जियां और 100 से 120 ग्राम फल शामिल करने चाहिए, पोषण विशेषज्ञ सलाह देते हैं। लेकिन असल में हमारे खाने में इसकी मात्रा बहुत कम होती है। कुछ जानकारियों के आधार पर भारत में हमारे आहार में फलों और सब्जियों की मात्रा केवल 40 से 60 ग्राम होती है। यदि आप अपने आहार में अनुशंसित फल और सब्जियों की मात्रा बढ़ाते हैं, तो आप केवल फलों और सब्जियों से 90 प्रतिशत विटामिन सी, 50 प्रतिशत विटामिन ए, 35 प्रतिशत विटामिन बी और 25 प्रतिशत आयरन प्राप्त कर सकते हैं।

विश्व स्तर पर, यदि हम विभिन्न देशों पर विचार करें, तो फलों और सब्जियों की हमारी उत्पादकता बहुत कम है। मौसम्बी की उत्पादकता आठ टन प्रति हेक्टेयर है जबकि दक्षिण अफ्रीका की यही उत्पादकता 70 टन है। इज़राइल के पास 40 टन है। हमारी आम की उत्पादकता केवल आठ टन है जबकि मेक्सिको 40, इज़राइल 35, दक्षिण अफ्रीका 45 टन है। सब्जियों में भी दूसरे देशों की उत्पादकता हमारे देश से तीन-चार गुना ज्यादा है। फलों और सब्जियों के उत्पादन में आधुनिक तकनीक का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की जरूरत है। पारंपरिक खेती किसी भी तरह से सस्ती नहीं है। हाल के दिनों में, सब्जी उत्पादन में व्हर्टिकल फार्मिंग (ऊर्ध्वाधर खेती), ग्रीनहाउस में कृषि, मिट्टी के बिना कृषि जैसी कई अवधारणाएँ उपयोग में आई हैं। इस तकनीक के कारण फलों और सब्जियों, मुख्य रूप से टमाटर, शिमला मिर्च और खीरे के उत्पादन को चार से पांच गुना तक बढ़ाना संभव है। अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाने का प्रयास किया जाना चाहिए। फलों और सब्जियों के निर्यात में भारत विश्व में 17वें स्थान पर है जबकि चीन पहले स्थान पर है। निर्यात नीति में सुधार करके निर्यात बढ़ाया जाना चाहिए।

हमारा देश फलों और सब्जियों के उत्पादन में विश्व में दूसरे स्थान पर है। लेकिन 25 फीसदी आबादी तक इसकी पहुंच नहीं है। इसके अलावा, चूंकि फल और सब्जियां जल्दी खराब होने वाली होती हैं, इसलिए कटाई से लेकर उपभोक्ताओं के हाथों तक पहुंचने तक 30 से 40 प्रतिशत उपज बर्बाद हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि इस बर्बादी को कम करने की कोशिश की जाए। हमें अपने आहार में फलों और सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाना चाहिए। 2021 को फलों और सब्जियों के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया गया। लेकिन लोगों को इन फलों और सब्जियों पर विचार करना चाहिए और अपने आहार में इनका इस्तेमाल करना चाहिए।

दुनिया को बर्बादी को कम करने और उपयुक्त प्रक्रियाओं के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करने के प्रयासों के साथ-साथ नवीन आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके टिकाऊ और स्वस्थ फलों और सब्जियों के उत्पादन को बढ़ाने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। फलों और सब्जियों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करना, स्वस्थ और संरक्षित भोजन की खपत को बढ़ाना, लोगों के दैनिक जीवन में उनकी जीवन शैली के अनुसार विभिन्न फलों और सब्जियों का वर्गाकार उपयोग बढ़ाना, साथ ही साथ विशेष लेने के लिए इस संबंध में रणनीतिक निर्णय, नवीन तकनीकों के कुशल उपयोग का विचार किए जाने की उम्मीद है।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे, जत जि. सांगली

लेख-जीवन की खुशहाली और अखंड सुहाग का पर्व 'गणगौर'

गणगौर एक ऐसा त्यौहार है, जो जन मानस की भावनाओं से जुड़ा है। ग्राम्य जीवन की वास्तविकताओं के दर्शन है इसमें। देवी देवताओं और धार्मिक आस्था से जुड़े ये त्यौहार जीवन की वास्तविकताओं से परिचित करवाते है। गणगौर का त्यौहार ऐसे समय में आता है जब फसल कटकर आ चुकी है। कृषक वर्ग फुरसत में है। आर्थिक रूप से भी हाथ मजबूत है। ऐसे में माहौल और खुशमिजाज हो जाता है। लोगों की धार्मिक आस्था भी मजबूत हो जाती है। दुगुने जोश खरोश से जिंदगी चलने लगती है। एक नई ऊर्जा पैदा हो जाती है। एक और खास बात धर्म के माध्यम से, मीठे मीठे गीतों के जरिये बेटियों को जीवन जीने की उचित शिक्षा मिल जाती है। वो भी बिना कुछ कहे। यह पर्व नारी को शक्ति शाली और संस्कारी बनाने का अनूठा माध्यम है। वैयक्ति क स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने और दुःख बटोरने की मनोवृत्ति का संदेश है। गणगौर संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं को प्रेम और एकता में बांधने का निष्ठासूत्र है। -प्रियंका सौरभ

गणगौर राजस्थानी आन-बान-शान का प्राचीन पर्व हैं। हर युग में कुंआरी कन्याओं एवं नवविवाहिताओं का अपितु संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं का गहरा संबंध इस पर्व से जुड़ा रहा है। यद्यपि इसे सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मान्यता प्राप्त है किन्तु जीवन मूल्यों की सुरक्षा एवं वैवाहिक जीवन की सुदृढ़ता में यह एक सार्थक प्रेरणा भी बना है। यह पर्व सांस्कृतिक, पारिवारिक एवं धार्मिक चेतना की ज्योति किरण है। इससे हमारी पारिवारिक चेतना जाग्रत होती है, जीवन एवं जगत में प्रसन्नता, गति, संगति, सौहार्द, ऊर्जा, आत्मशुद्धि एवं नवप्रेरणा का प्रकाश परिव्याप्त होता है। यह पर्व जीवन के श्रेष्ठ एवं मंगलकारी व्रतों, संकल्पों तथा विचारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

गणगौर राजस्थान एवं मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के निमाड़, मालवा, बुंदेलखण्ड और ब्रज क्षेत्रों का एक त्यौहार है जो चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीज) को आता है। इस दिन कुँवारी लड़कियाँ एवं विवाहित महिलाएँ शिवजी (इसर जी) और पार्वती जी (गौरी) की पूजा करती हैं। पूजा करते हुए दूब से पानी के छींटे देते हुए ÷गोर गोर गोमती÷ गीत गाती हैं। इस दिन पूजन के समय रेणुका की गौर बनाकर उस पर महावर, सिन्दूर और चूड़ी चढ़ाने का विशेष प्रावधान है। चन्दन, अक्षत, धूपबत्ती, दीप, नैवेद्य से पूजन करके भोग लगाया जाता है। गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुँवारी लड़कियाँ मनपसन्द वर पाने की कामना करती हैं। विवाहित महिलायें चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक, 18 दिनों तक चलने वाला त्योहार है - गणगौर। यह माना जाता है कि माता गवरजा होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं तथा अठारह दिनों के बाद ईसर (भगवान शिव) उन्हें फिर लेने के लिए आते हैं ,चैत्र शुक्ल तृतीया को उनकी विदाई होती है। गणगौर की पूजा में गाये जाने वाले लोकगीत इस अनूठे पर्व की आत्मा हैं। इस पर्व में गवरजा और ईसर की बड़ी बहन और जीजाजी के रूप में गीतों के माध्यम से पूजा होती है तथा उन गीतों के उपरांत अपने परिजनों के नाम लिए जाते हैं। राजस्थान के कई प्रदेशों में गणगौर पूजन एक आवश्यक वैवाहिक रीत के रूप में भी प्रचलित है।

गणगौर का पवित्र त्योहार बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है त्योहार के अंतिम दिन प्रत्येक गांव में भंडारे का आयोजन होता है तथा माता की विदाई की जाती है गणगौर पूजन में कन्याएँ और महिलाएँ अपने लिए अखण्ड सौभाग्य, अपने पीहर और ससुराल की समृद्धि तथा गणगौर से प्रतिवर्ष फिर से आने का आग्रह करती हैं। अक्सर यह बात कही जाती है कि, चैत्र शुक्ला तृतीया को राजा हिमाचल की पुत्री गौरी का विवाह शंकर भगवान के साथ हुआ था। उसी की याद में यह त्योहार मनाया जाता है। कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भष्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया तथा विष्णुलोक जाने का वरदान दिया। उसी की स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है।

गणगौर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध लोक नृत्य है। इस नृत्य में कन्याएँ एक दूसरे का हाथ पकड़े वृत्ताकर घेरे में गौरी माँ से अपने पति की दीर्घायु की प्रार्थना करती हुई नृत्य करती हैं। इस नृत्य के गीतों का विषय शिव-पार्वती, ब्रह्मा-सावित्री तथा विष्णु-लक्ष्मी की प्रशंसा से भरा होता है। उदयपुर जोधपुर बीकानेर और जयपुर को छोड़कर राजस्थान के कई नगरों की प्राचीन परम्परा है। गणगौर नृत्य मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल का प्रमुख नृत्य है।

गणगौर एक ऐसा त्यौहार है, जो जन मानस की भावनाओं से जुड़ा है। ग्राम्य जीवन की वास्तविकताओं के दर्शन है इसमें। देवी देवताओं और धार्मिक आस्था से जुड़े ये त्यौहार जीवन की वास्तविकताओं से परिचित करवाते है। गणगौर का त्यौहार ऐसे समय में आता है जब फसल कटकर आ चुकी है। कृषक वर्ग फुरसत में है। आर्थिक रूप से भी हाथ मजबूत है। ऐसे में माहौल और खुशमिजाज हो जाता है। लोगों की धार्मिक आस्था भी मजबूत हो जाती है। दुगुने जोश खरोश से जिंदगी चलने लगती है। एक नई ऊर्जा पैदा हो जाती है। एक और खास बात धर्म के माध्यम से, मीठे मीठे गीतों के जरिये बेटियों को जीवन जीने की उचित शिक्षा मिल जाती है। वो भी बिना कुछ कहे। क्योंकि बेटियां यह सब देख सुनकर अपने आप को उसी रंग में ढालने लग जाती है। हर माता पिता चाहते है कि बेटियों को अच्छा घर परिवार मिले और सुखी रहे।

नाचना और गाना तो इस त्यौहार का मुख्य अंग है ही। घरों के आंगन में, सालेड़ा आदि नाच की धूम मची रहती है। परदेश गए हुए इस त्यौहार पर घर लौट आते हैं। जो नहीं आते हैं उनकी बड़ी आतुरता से प्रतीक्षा की जाती है। आशा रहती है कि गणगौर की रात को जरूर आयेंगे। झुंझलाहट, आह्लाद और आशा भरी प्रतीक्षा की मीठी पीड़ा को व्यक्त करने का साधन नारी के पास केवल उनके गीत हैं। ये गीत उनकी मानसिक दशा के बोलते चित्र हैं।

गौर गौर गोमती
गौर गौर गोमती ईसर पूजे पार्वती
पार्वती का आला-गीला , गौर का सोना का टीका
टीका दे , टमका दे , बाला रानी बरत करयो
करता करता आस आयो वास आयो
खेरे खांडे लाडू आयो , लाडू ले बीरा ने दियो
बीरो ले मने पाल दी , पाल को मै बरत करयो
सन मन सोला , सात कचौला , ईशर गौरा दोन्यू जोड़ा

जोड़ ज्वारा , गेंहू ग्यारा , राण्या पूजे राज ने , म्हे पूजा सुहाग ने राण्या को राज बढ़तो जाए , म्हाको सुहाग बढ़तो जाय, कीड़ी- कीड़ी , कीड़ी ले , कीड़ी थारी जात है , जात है गुजरात है , गुजरात्यां को पाणी , दे दे थाम्बा ताणी ताणी में सिंघोड़ा , बाड़ी में भिजोड़ा म्हारो भाई एम्ल्यो खेमल्यो , सेमल्यो सिंघाड़ा ल्यो लाडू ल्यो , पेड़ा ल्यो सेव ल्यो सिघाड़ा ल्यो झर झरती जलेबी ल्यो , हर-हरी दूब ल्यो गणगौर पूज ल्यो इस तरह सोलह बार बोल कर आखिरी में बोलें ⁼ एक-लो , दो-लो ..सोलह-लो।

भौतिक एवं भोगवादी भागदौड़ की दुनिया में गणगौर का पर्व दुःखों को दूर करने एवं सुखों का सृजन करने का प्रेरक है। यह पर्व दाम्पत्य जीवन के दायित्वबोध की चेतना का संदेश हैं। इसमें नारी की अनगिनत जिम्मेदारियों के सूत्र गुम्फित होते हैं। यह पर्व उन चैराहों पर पहरा देता है जहां से जीवन आदर्शों के भटकाव की संभावनाएं हैं, यह उन आकांक्षाओं को थामता है जिनकी गति तो बहुत तेज होती है पर जो बिना उद्देश्य बेतहाशा दौड़ती है। यह पर्व नारी को शक्तिशाली और संस्कारी बनाने का अनूठा माध्यम है। वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने और दुःख बटोरने की मनोवृत्ति का संदेश है। गणगौर संपूर्ण मानवीय संवेदनाओं को प्रेम और एकता में बांधने का निष्ठासूत्र है। इसलिए गणगौर का मूल्य केवल नारी तक सीमित न होकर सम्पूर्ण मानव के मनों तक पहुंचे, तभी इस पर्व को मनाने की सार्थकता है।

कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट का आयोजन

इंदौर/ सेलम /जीएनएस।. मिलेट्स के प्रसिद्ध ब्रांड कुकरीजॉकी ने राष्टीय स्तर की कुकरीजॉकी मिलेट्स व्यंजन प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा की, जिसमें 100 से अधिक मिलेट से बनी रेसिपी को पुरस्कृत किया जाएगा ।

मिलेट्स का एशिया सहित दुनिया के कई हिस्सों में छोटे बीज वाले अन्न के रूप में उपयोग किया जाता है। यह ग्लूटेन मुक्त तो होता ही है, साथ ही फाइबर, प्रोटीन और विटामिन जैसे पोषक इम्यून तत्वों से भरपूर होता है। मिलेट्स का उपयोग विभिन्न प्रकार के व्यंजनों में किया जा सकता है, जिसमें दलिया, सूप, सलाद, रोटी आदि शामिल हैं। इन्हें चावल या अन्य अनाजों की तरह उबालकर या भाप में पकाकर भी पकाया जा सकता है ।

कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट एक रोमांचक पहल है जो खाने की स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देती है और रसोई में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती है। भोजन के प्रति उत्साही लोगों के लिए अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपने प्रयासों के लिए पहचाने जाने का यह एक शानदार अवसर है ।

कुकरीजॉकी मिलेट्स के निर्माता साबु ट्रेड, सेलम के चैयरमेन श्री गोपाल साबु ने बताया कि अंतर्राष्टीय मिलेट वर्ष 2023 में आहार में गुणवत्तायुक्त विविधता लाने के लिए पोषक मिलेट्स का उपयोग कर घर घर में मिलेट के स्वादिष्ट व्यंजन बनाने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 150, 100 और 70 ग्राम के तीन चांदी के मैडल तथा 100 गिफ्ट हैम्पर पुरस्कार के रूप में दिए जायेंगे ।

श्री साबु ने बताया कि भोजन बनाने, खाने और खिलाने के शौक़ीन लोगों के लिए अपने पाक कौशल का प्रदर्शन करने और स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने का एक शानदार अवसर है । यह कुकरीजॉकी ब्रांड द्वारा पोषक मोटे अनाजों से होने वाले स्वास्थ्यकर लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने और मिलेट को अपने दैनिक आहार में हर दिन शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करने का भी एक मौका है।

कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट में भाग लेने के लिए प्रतियोगी की उम्र न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिये । यह प्रतियोगिता अखिल भारतीय है, अतः भारत में किसी भी क्षेत्र से अपने किराना दूकान से फार्म ले कर अथवा क्षेत्र में उपलब्ध न होने पर वेबसाइट https://bit.ly/xFe}vMbलिंक से हिंदी में आवेदन तथा नियम सम्बन्धी जानकारी व फार्म का पीडीएफ़ डाउनलोड कर सकते हैं। व्यंजन बना कर प्रतियोगी https://forms.gle/RuByH|QJYTaQzvBi9ऑनलाइन फार्म भर कर भी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं । यदि देश के किसी भी क्षेत्र में कुकरीजॉकी मिलेट्स अनुपलब्ध हैं तो https://sabuonline.comपर आर्डर कर आनलाइन (पाँचों में से कोइ एक या पाँचों प्रकार की मिलेट) मँगा कर भी प्रतियोगिता में भाग लिया जा सकता है ।कुकरीजॉकी मिलेट्स रेसिपी कांटेस्ट में भाग लेने में रुचि रखने वाले प्रतियोगियों को पहले दौर में अपनी किचन में कुकरीजॉकी मिलेट्स से (कम से कम 70त्न मिलेट के प्रयोग वाले) बने व्यंजन बना कर , उसका फोटो खींचकर, रेसिपी (बनाने के तरीके) के साथ कम्पनी को अंतिम तिथि 15 अप्रैल 2023 तक भेजनी होगी । प्रतियोगिता में कुकरीजॉकी (पांच वैरायटी- भगर, कोदरा, कंगनी, झंगोरा व रागी मिलेट) से बने व्यंजन ही स्वीकार किये जायेंगे ।दूसरे राउंड में प्रतियोगियों को 6 मइ 2023 को अग्रसेन भवन, स्नेह नगर, इन्दौर में चयनकर्ताओं के पैनल के सामने अपनी व्यंजन डिश प्रस्तुत करनी होगी, जहाँ स्वाद, रचनात्मकता और न्यूट्रिशन वैल्यू के आधार पर पकवान का मूल्यांकन कर पुरस्कृत किया जायेगा । सभी प्रतिभागीयों को इ-सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जायेगा । विजेताओं के नाम पूरे भारत में कुकरीजॉकी मिलेट एक्सपर्ट के रुप में प्रकाशित व सम्मानित किये जायेंगे ।

देखिए सूरज बड़जात्या की लेटेस्ट फिल्म 'ऊंचाई' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, सिर्फ ज़ी सिनेमा पर

जीएनएस।कहते हैं मंजिल से ज्यादा जरूरी होता है सफर। छोटी-छोटी खुशियां और बड़े-बड़े गम ही ज़िंदगी को जीने लायक बनाती है। इसी जज़्बात का जश्न मनाते हुए ज़ी सिनेमा 26 मार्च को दोपहर 12:30 बजे फिल्म ऊंचाई का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर लेकर आ रहा है। ये एक ऐसे सफर की कहानी है, जो अपने दोस्त की आखिरी ख्वाहिश पूरी करने के लिए शुरू होता है, और आगे चलकर दोस्ती, परिवार, प्यार, अपनेपन और जज़्बातों के मायने सिखा देता है।

अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी, नीना गुप्ता, सारिका और डैनी डेन्जोंगपा जैसे दिग्गज और टैलेंट के पावरहाउस कलाकारों से सजी फिल्म ऊंचाई एक मुकम्मल कहानी है, जो आपके दिलों में खुशियां भर देती है। हम आपके हैं कौन, विवाह और हम साथ साथ हैं जैसी फिल्मों के निर्माता सूरज बड़जात्या की ओर से पेश की गई दोस्ती, जज़्बातों और रिश्तों की ये दिल छू लेने वाली कहानी एक बार फिर पारिवारिक मूल्यों का महत्व बताती है।

राजश्री की हर कहानी सादगी से सराबोर होती है। और फिल्म ऊंचाई में वो सबकुछ है, जो आप राजश्री की एक फिल्म में देखना चाहते हैं। जहां यह बैनर स्वच्छ पारिवारिक फिल्में बनाने के अपने 75 वर्षों का जश्न मना रहा है, वहीं इस फिल्म से सूरज बड़जात्या ने 7 साल बाद बतौर निर्देशक पर्दे पर वापसी की है। इस फिल्म में अलग-अलग जज़्बात हैं जैसे प्यार, गम, सपने, ख्वाहिशें, दोस्ती, नाकामियां, आत्मविश्वास, शिद्दत और अपनों से किया वादा! ऐसे में रविवार दोपहर को यह पूरे परिवार के लिए एक देखने लायक फिल्म है।

सूरज बड़जात्या ने कहा, ÷सिनेमा में इतनी ताकत है कि यह एक परिवार को साथ लाकर उन्हें एक बढ़िया वक्त गुजारने का मौका दे सकता है। राजश्री में, हम हमेशा ऐसी फिल्में बनाने का प्रयास करते रहे हैं, जिनमें हम पारिवारिक मूल्यों की अहमियत बता सकें और उन्हें ज़िंदा कर सकें। जहां हम अपने बैनर के 75 साल सेलिब्रेट कर रहे हैं, वहीं हम छोटी-छोटी जरूरी बातों को पर्दे पर दिखाते रहे हैं, जिन्हें अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। मुझे उम्मीद है कि ऊंचाई में भी यही नजर आया है और ज़ी सिनेमा के दर्शकों को भी वही प्यार महसूस होगा, जो हम इस फिल्म के जरिए फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।÷

नीना गुप्ता कहती हैं, ÷मैं लंबे समय से सूरज बड़जात्या के साथ काम चाह रही थी और इस फिल्म के साथ आखिरकार मुझे कुछ ऐसा करने का मौका मिला, जो लोगों के दिलों को छू जाए। ये फिल्म अपने आप में एक इमोशन है और तुरंत अपनेपन का एहसास कराती है। अपनी ज़िंदगी में भी मुझे अपने परिवार से ऐसी ताकत मिलती है - हम अपनी-अपनी ज़िंदगी जीते हुए बिना किसी मतलब के एक दूसरे को सपोर्ट कर रहे हैं। इसलिए, मुझे पता था कि इस फिल्म का क्या मतलब है। इस फिल्म ने मुझे एक बार फिर सिखाया है कि अपनों को संजोकर रखना कितना जरूरी है।÷

अनुपम खेर ने कहा, ÷ऊंचाई एक ऐसा सफर था, जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ अद्भुत भी था! मैं राजश्री प्रोडक्शंस परिवार की शुरुआत से ही इसका हिस्सा रहा हूं, और इस तरह की फिल्म के साथ राजश्री के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए ऐसा लग रहा है जैसे ज़िंदगी घूमकर फिर वहीं आ गई हो। मेरा किरदार चिड़चिड़ा और अड़ियल है और मुझे यकीन है कि हम सभी के परिवार या दोस्तों में एक न एक ऐसा व्यक्ति जरूर होता है। यही खूबी इस फिल्म को संडे फैमिली वॉच के लिए परफेक्ट बनाती है। आप इसके हर किरदार को अपने परिवार के किसी एक व्यक्ति से जोड़ पाएंगे।÷

ये तीन दोस्तों की कहानी है, जो बेहद उतार-चढ़ाव भरे एक सफर पर जाने का फैसला करते हैं। क्या वे अपनी मंज़िल तक पहुंच पाएंगे? या फिर वो अपने रास्ते में आने वाली मुश्किलों से हार जाएंगे? जहां वे अपनी शारीरिक सीमाओं से संघर्ष करते हैं और सही मायनों में यह सीखते हैं कि आज़ाद होने का सच्चा मतलब क्या होता है।

देखिए फिल्म ऊंचाई का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, रविवार 26 मार्च को दोपहर 12:30 बजे, ज़ी सिनेमा पर।

||जीवन चक्र||

जीवन एक गणित है प्यारे, सीखो तुम इसमें जीना।
गुणा भाग कर आगे आओ, और रखो ताने सीना।।
छोटी छोटी सी खुशियों को, आहिस्ता से तुम जोड़ो।
बढ़े एकता भाईचारा, इनसे कभी न मुँह मोड़ो।।
आड़े तिरछे रिश्ते नाते, अमर बेल कहलाते हैं।
विषम समय चलता मानव का, चुपके से घट जाते हैं।।
अलग रीत है इस दुनिया की, समझ नहीं हम पाते हैं।
घूम रहे हैं एक वक्र में, आकर फिर मिल जाते हैं।।
नहीं समांतर कोई होते, ना कोई सीधी रेखा।
शेष बचे वे रोते रहते, एक दर्द मैंने देखा।।
मुँह में राम बगल में छूरी, वाणी को तरसाते हैं।
कैसी कैसी रीत जगत की, समझ नहीं हम पाते हैं।।

प्रिया देवांगन ÷प्रियू÷

जिंदगी हमे जीना सिखाती हैं

जिंदगी कभी हसाती हैं,
तो जिंदगी कभी रुलाती हैं !
जिंदगी हर दिन एक,
नया पाठ पढ़ाती हैं!
जिंदगी हर घड़ी,
इम्तिहान लेती हैं!
जिंदगी दो पल की हैं,
जिंदगी बहुत कुछ सिखाती हैं!
जिंदगी में कभी हार ,
तो कभी जीत होती हैं!
जिंदगी हमे जीना सिखाती हैं,
हर दिन नई ख्वाब दिखाती हैं!
जिंदगी हजारों सपने दिखाती हैं,
जिंदगी हमे मेहनत करवाती हैं!
जिंदगी दो पल की हैं,
जिंदगी बहुत कुछ सिखाती हैं!

- कृष्णा चौहान

आस्था का प्रतीक है कन्या

आदि शक्ति नवदुर्गा नो माता का स्वरूप है कन्या
हम सभी के लिए हमारी आस्था का प्रतीक है कन्या,
इन कन्याओं का मान सम्मान करना हम सभी का धर्म है
हम सभी जब कन्याओं का पूजन करते हैं
माता के स्वरूप में नवरात्रों में कन्याओं के पांव को पूजते हैं,
फिर उन्हीं को प्रताड़ित करते हैं
फिर उन्हें दुनिया में आने से क्यों रोकते हैं,
फिर उन्हीं को समाज क्यों झंडियों में अनाथ छोड़ देता हैं,
या फिर मंदिरों की दहलीजो पर छोड़ देते हैं।
जब बेटी है तो कल है
फिर उन्हें आने दो , कन्या जीवन में अमृत कलश के समान है
इसे जानो व पहचानो,
इस नवरात्रि में हमें अपनी सोच बदलना है ।
दोहरे मापदंड को छोड़ना है ।
फिर कन्याओं का पूजन करना है।
क्योंकि आदि शक्ति नव दुर्गा नो माता का स्वरूप है कन्या
हम सभी के लिए हमारी आस्था का प्रतीक है कन्या ।।

- हरिहर सिंह चौहान

इंतज़ार मत करना

दुनिया के भ्रम में उल्टी चाल नहीं चलना
अपने बनाये मार्ग पर धृढ़ता से ही चलना
राह में होगा सामना कांटो से ये निश्चित है
इनसे घबरा का कभी रास्ते नहीं बदलना
नये सफर में नवीनतम मुकाम मिलेगा
अब हर गुलशन में नूतन फूल खिलेगा
बागो में भंवरो का गुंजन भी एक राग है
उस गुंजन से खिलखिलाती हर बाग है
इरादे हो प्रबल,मरुथल में जल निकलेगा
हर समस्या का तय है की हल निकलेगा
लक्ष्य पर निरन्तर निगाहें टिकाकर रखना
परिश्रम से सफलता का रास्ता निकलेगा
कभी हम टूट भी जाये तो गम नहीं करना
कभी हम रूठ भी जाये तो गम नहीं करना
ये जीवन तो मिलता है जहाँ मे एक ही बार
हम चले गये जहाँ से तो इंतज़ार मत करना
जीवन सफर है,सफर ही करना पड़ेगा
जब तक सांस है तन में जीना ही पड़ेगा
हम मर भी गये तो कभी गम नहीं करना
ये जीवन है,जिंदा है तो मरना भी पड़ेगा

-प्रमेशदीप मानिकपुरी

पवित्र प्रेम

रूह से महसूस हो तब,
पवित्र प्रेम की नींव रखीं जाती है,
ज़िन्दगी के अहसासात से,
तब यह रूबरू करातीं है।

पवित्र प्रेम अखण्ड ज्योति है,
सदैव प्रज्वलित रहतीं हैं,
सुगन्धित रंग से सराबोर,
खूब चहकती दिखती है।

यह खुले दिल की आवाज है,
घर -आंगन की अस्मत लाज है,
मां -बाबूजी की शोभा है,
कुल की बड़ी आगाज़ है।

पवित्रता की अद्भुत मूरत है,
शीतलता बड़ी खुबसूरत है।
नम्रता सुचिता संग स्नेह मिलन,
पवित्र प्रेम के उत्तम संस्कार हैं।

अमृत काल का यह सुन्दर भाव,
जनजन का लगता उपहार है।
पवित्र प्रेम है सम्पूर्ण मिलन,
नहीं दिखता यहां शंका का धन।

पवित्र प्रेम एक परमात्मा है,
सबमें खुशियां भर जाती है।
अनुराग -प्यार का बन उन्नत संगम,
मन को हरपल खूब हर्षाती है।

पवित्र प्रेम की है सुन्दर आवाज,
इस राह पर हमें चलना है आज।

-डॉ. अशोक,पटना,बिहार

गज़ल

आदमी का सबकुछ आज पैसा हुआ है
वही तो समाज में देख माना हुआ है

आ गया है तब से अभिमान उसमे इतना
जब से कद उनका सबसे ऊँचा हुआ है

प्रेम-मिठास रहा जिनकी बोली में हरदम
इसलिए उनके संग सारा ज़माना हुआ है

बचकर रहते है तब से ही सदैव यारों
जब से उनका खौफ़नाक इरादा हुआ है

रहा नहीं खुद पर भी जिसको कभी विश्वास
वो शख्स अपने आप से ही टूटा हुआ है

कितना उसको मनाया मगर वो ना माना
अतः रमेश का सारा काम रुका हुआ है

-रमेश मनोहरा

चलो आशियाना तलाशें

चलो एक नया आशियाना तलाशें
जहाँ नफरतें हैं उसे प्यार से तराशें
पुरी करें सपने और सारी ख्वाहींशे
दूर हटादें सारे,गीले,शिकवे,खटासें।

कोई साथ रहकर न समझे बेगाने
एक दूसरे को न समझे अनजाने
रिश्ते हो दिल से दिलों तक सुहाने
दिलों से दूर हो जाए सारे फ़साने।

दिल मे दौलत का न हो कोई गुरुर
एक दूसरे का हाले बयाँ करें जरूर
पास रहकर भी हम न हो कोई दूर
दिलों का मुहब्बत न हो कभी बेनूर।

-अशोक पटेल ÷आशु÷

रचती नए उसूल

काम क्रोध मद लोभ जी ,आओ मेरे द्वार ,
मुझे लुभाना है सरल , मै मानव लाचार।

बिना बात की बात पे ,क्यों होऊं भयभीत ,
हर दिन है मेरे लिए ,जीवन का संगीत।

दुख की वीणा बज रही ,टूटे सुख के तार ,
हर पल गाती जिंदगी ,दर्द भरे श्रृंगार।

भूली भटकी जिंदगी ,रचती नए उसूल ,
जो गुलाब को चाहते ,पाते हरदम शूल।

जीत रहा कछुआ यहाँ ,खरहा जाए हार,
जंगल में अब चल रही ,कछुए की सरकार।

-महेंद्र कुमार वर्मा

सत्संग

बहुत लोग जाते हैं लेकर मन में उमंग,
नैया पार लग जायेगी जब सुन लेंगे सत्संग,
पर यह कैसा होना चाहिए
किसी ने नहीं सोचा है,
कभी सोच ही नहीं पाये कि
वहां सच्चाई बताई जाएगी
या मिल सकता धोखा है,
सत्संग का अर्थ है सच का संग,
नहीं होना चाहिए दुराव छुपाव या
मानसिक जकड़न का रंग,
सच के पीछे तर्क होता है,
ज्ञान होता है,
दूध का दूध और पानी को पानी
करता विज्ञान होता है,
सुनी सुनाई बातों से
भर के मत रख लो
वैमनस्यता और उन्माद का गुबार,
क्या और कैसे हो सकता है
तर्क और बुद्धि लगा सोचो
विज्ञान को बनाकर आधार,
संतुष्ट हो जाने के बाद करो स्वीकार,
क्योंकि कुछ राहें होते ही हैं निराधार,
सच्चाई सामने आते ही रह सकते हो दंग,
जरूरी नहीं कि
हर सत्संग में मिल ही जाएगा
वास्तविक रंग,
हमें बदलाव लाने वाला क्रांति चाहिए,
युद्ध नहीं शांति चाहिए।

-राजेन्द्र लाहिरी

संजीव-नी।

हिंदी को बनाएं राष्ट्रभाषा।

हिंदी है हमारी प्यारी भाषा,
हिंदी है एक शक्तिशाली
और विशाल ज्ञान की भाषा,
आओ बनाएं इसे राष्ट्रभाषा।

हिंदी भाषा हमारा मान और अभिमान है,
हिंदी राष्ट्र का वैभवशाली गौरव गान है।

हिंदी देश की गंगा -जमुनाई स्वाभिमान है,
हिंदी पर न्योछावर हर दिल और जान है।

हिंदी भारत के माथे की चमकती बिंदिया है।
हिंद देश में बहती पवित्र गंगा नदिया है।

हिंदी पर आओ शीश झुकाए,करें नमन,
हिंदी ही है लताएं, फूल, बगिया और चमन।

हिंदी से ही बना प्यारा हिंदुस्तान हमारा,
हिंदी ने ही किया शीश जग में ऊंचा हमारा।

हिंदी भाषा भोली और इतनी विशाल है,
हिंदी भाषा अर्वाचीन और बेमिसाल है।

हिंदी हमारे असंख्य हृदयों पर करती राज,
हिंदी से ही अत्यंत सफल है, देश का काम-काज।

हिंदी के प्रयोग की ले विराट शपथ और प्रतिज्ञा द्य
हिंदी बन जाए विश्वव्यापी जैसी हो मां भारती की आज्ञा।

आओ मिलकर बनाएं इसे
विश्व ज्ञान की एक बड़ी जिज्ञासा,
और बनाए इसे देश की राष्ट्रभाषा।

जय हिंदी, जय भारत।
हिंदी भाषा अमर रहे।

-संजीव ठाकुर,

आलेख:-

प्रभुनाम-मन के कूकर की सीटी

फिजियोथैरेपी के वर्गखंड में 70 युवक-युवतियां बैठे थे। 'आर्ट ऑफ़ कम्युनिकेशन' विषय पर मेरा प्रशिक्षणवर्ग 'व्यक्तित्व विकास' के अंतर्गत शुरू होना था। और मैंने शुरू किया- जय श्रीकृष्ण! कई छात्रों ने एक-दूसरे की तरफ देखा, हँसे, और प्रतिघोष किया- श्रीकृष्ण! मैंने तुरंत कहा- जय स्वामिनारायण। अब सबकी आवाज एक साथ आई -जय स्वामिनारायण।

विद्यार्थियों को थोड़ा सा अजीब लग रहा था, शायद इसलिए कि कॉलेज के लेक्चर के आरम्भ की इस प्रकार की परम्परा उन्होंने आज तक देखी या सुनी नहीं थी...परन्तु प्रभुनाम को आत्मसात् करने का उनका उत्साह प्रतिक्रिया के रूप में तुरंत दिखाई दे रहा था। मन वास्तव में प्रसन्न हुआ।

जब भी हमारा मन उदास होता है, कर्जदारों के फोन की घंटियां लगातार दनदनाती रहती हैं, घर में माता-पिता या सास-ससुर की गंभीर या पुरानी बीमारियों ने न केवल घर को, बल्कि मन और धन को भी घेर लिया होता है, बेटा या बेटी ने यदि अनुचित रास्ते पर चलकर सारे समाज में परिवार की छवि को धूमिल किया है, ब्याज की चपेट में बैंक बैलेंस ढह रहा है, कोर्ट केस की तारीख पे तारीख दिमाग और दिल को कुचल रही है, आधी रात में नींद उचट रही है, ऐसी हर स्थिति में, कहा जाता है कि 'हरिनाम' से बड़ी सांत्वना कोई नहीं है।

लेकिन क्या आपने वाकई श्रद्धा और विश्वास के साथ किए गए ऐसे नामजप का कोई स्वानुभव किया है?

मुझे इसी सन्दर्भ में हमारे एक बुजुर्ग की विशेष आदत याद आ रही है। वे जब भी हाथ में अखबार लेते हैं और जब आत्महत्या, दुर्घटना, युद्ध, हत्या या दंगे से हुई मौतों के समाचार पढ़ते हैं, तो वे उच्च स्वर से बोल उठते हैं- हे राम, हे हरि, हे नारायण! इन सभी आत्माओं को सद्गति दें...

जब कोई पूछता है चाचा, क्या आपकी यह प्रार्थना फलीभूत हो रही होगी?

और वे सहज भोलेपन से मुस्कराते हुए कहते हैं, 'भाई, प्रार्थना सुनना-न सुनना भगवान का काम है। लेकिन ऐसी अपमृत्यु की खबरें सुनकर इतनी पीड़ा होती है, कि मैं तो इस प्रार्थना से अपने भीतर की उस पीड़ा को कम करने का काम कर रहा हूं। चाहे सब को लगे कि मैं कोई परमार्थ कर रहा हूँ, तो ठीक है, पर वास्तव में मैं यह अपने स्वार्थ के लिए ही कर रहा हूँ...!

अगर तुलसीदासजी कहते हैं-राम नाम एक अंक है, सब साधन है सब शून्य !

या कबीरजी कहते हैं -जा मुख राम ना निकसे, वो मुख है किस काम?

या फिर गुरु नानक लिखते हैं कि तू नाम जपन क्यों छोड़ दिया?

या ब्रह्मानंद स्वामी लिखते हैं, प्रभु एक नाम तेरा सुखकारी! तो हमें लगता है कि इन सारे संतों का तो जीवन-उद्देश्य ही यही था, इसलिए वे तो यह सब लिखेंगे ही !

लेकिन अब जो बातें आपके समक्ष रख रहा हूँ, उसे ध्यान से पढ़ें... हमारे तार्किक दिमाग को प्रभावित करने के लिए यह जानकारी बिलकुल सटीक बैठती है....।

1970 के दशक में, जब हावर्ड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक हर्बर्ट बेन्सन ने ध्यान, जप और मन के बीच के संबंध के बारे में एक के बाद एक अनेक रहस्य को उजागर करना शुरू किया, तो विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ वैज्ञानिक भी शरीर की बीमारियों के इलाज में आध्यात्मिकता की भूमिका को महत्त्व देने लगे। मेडिकल का पाठ्यक्रम चलाने वाले तीन अमरिकी मेडिकल कॉलेजों में 1995 से चिकित्सा में आध्यात्मिकता को एक महत्त्वपूर्ण विषय के रूप में पेश किया गया है। वर्ष 2000 में विश्वप्रसिद्ध ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय द्वारा हैंडबुक ऑफ रिलिजन एंड हेल्थ प्रकाशित की गई थी। जिसमें 40 साल के शोध को स्पष्ट किया गया और हर्बर्ट बेन्सन को बोस्टन ग्लोब में लिखते हुए उद्धृत किया गया कि It can bring scientifically stable benefi ts. अर्थात् आप ध्यान या जप से होनेवाले प्रत्येक लाभ को वैज्ञानिक रूप से सिद्ध कर सकते हैं!

मूलतः यह विवरण है, ईश्वर की शक्ति के बारे में। जब हम त्सुनामी, भूकंप, मूसलाधार बारिश से हुए तबाही का मंजर, प्रलयकारी बाढ़, , या बड़े बड़े पहाड़ों को दो भागों में फाड़कर रख देनःवाले भयानक ज्वालामुखी के विस्फोटों को देखते हैं, तो तुरंत एहसास हो जाता है, कि मानव बुद्धि, मानव अनुसंधान, मानवनिर्मित तकनीक या उसकी कोई भी क्षमता प्रकृति के सामने कितनी बौनी हैं!नामस्मरण और नामजप के प्रभावों के बारे में भारत में कोई गहन वैज्ञानिक शोध क्यों नहीं हुआ, यह एक ऐसा प्रश्न है, जो उस क्षेत्र के डॉक्टरों, मनोचिकित्सकों या शोधकर्ताओं को पूछा जाना चाहिए।

2008 में पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के न्यूरोसाइंटिस्ट डॉ. एंड्रयू न्यूबर्ग कई प्रयोग कर चुके थे कि हरिनाम के जप से मनुष्य का मन कितना शांत होता है, और उसकी याददाश्त कितनी बढ़ती है...

उन्होंने मंत्र और ध्यान पर 12 मिनट का प्रयोग उन लोगों पर किया, जिन्होंने कभी मंत्र या ध्यान का अभ्यास नहीं किया था। इस वैज्ञानिक ने 8 सप्ताह तक सैकड़ों लोगों पर प्रयोग करके उन्हें 'नामजप' पर केन्द्रित किया। अंत में सभी की याददाश्त नापी गई। जो 12 फीसदी से बढ़कर 20 फीसदी हो गई थी।उन्होंने अपने इन अनुभवों को हाउ गॉड चेंजेस योर ब्रेन! पुस्तक में विस्तार से लिखा है।आपको स्वयं यह अनुभव हुआ होगा कि जब मन पर पीड़ा, कष्ट या यातना का जबरदस्त दबाव होता है, तो मुंह से स्वतः उद्गार निकल आता है कि हे ईश्वर! हे भगवान! अब तो तू ही एक सहारा है... बस, एक तू ही तारणहार है..! शायद यही उद्गार मन के भीतर उमड़ रहे शोक-दुःख या उत्ताप के धुंएं को उड़ाने के लिए कूकर की सीटी की तरह काम करता है।

अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. एच.जी. कोएनिंग ने दो तरह के लोगों पर विशेष प्रयोग किए, जिनकी उम्र 65 वर्ष से अधिक थी। उन्होंने 4,000 लोगों का अध्ययन किया, और निष्कर्ष यह निकला कि जो बुजुर्ग नियमितरूप से जप, ध्यान या प्रभु के दिव्य चरित्रों को सुनना आदि आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में शामिल होते थे, उन लोगों की तुलना में, जो ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं होते थे, ऐसे लोगों में 60 से 75 प्रतिशत लोग मजबूत रोगप्रतिकारक क्षमता रखने वाले थे, साथ ही वे ज्यादा खुश और तेजतर्रार भी नजर आए!

बैंगलोर, भारत में स्थित संस्थान 'इंडियन जर्नल ऑफ फिलॉसफी एंड फार्माकोलॉजी' में 'विवेकानंद केंद्र योग-रिसर्च फाउंडेशन' 1995 से कार्यान्वित है। यहां सेंकडों लोगों के मन-शरीर पर ओम् कार ध्वनि का क्या प्रभाव होता है, इस विषय पर भारत और दुनिया के अनेक वैज्ञानिकों ने अध्ययन किया है। उनका निष्कर्ष यही है कि ओम् कार के जप से हृदय की धडकनों की गति नियंत्रित होती है। भीतर ही रिलेक्सेशन, तथा अवेयरनेस - शांति और जागरूकता की अनुभूति होती है। ऑक्सीजन की मात्रा पूरे शरीर में ठीक से वितरित होती है, शरीर की हर कोशिका जीवित हो जाती है। आंतरिक रोग प्रतिकारक क्षमताएं बढ़ती हैं। और यह मधुमेह जैसी बीमारी को भी काबू में रखने में भी बहुत उपयोगी है...

अब निम्नकथन को पढ़िए-क्या आप तनावपूर्ण जीवन जी रहे हैं? तो जाइए, एकांत में बैठ जाइए। आस्था और श्रद्धा उत्पन्न करने वाला कोई शब्द (मन्त्र) सोचिए। उस शब्द का 10 से 20 मिनट तक हर सांस के साथ जाप कीजिए। आपका दायां और बायां दिमाग अवश्य आराम महसूस करने लगेगा।÷ आपको लगता होगा कि यह आदेश किसी साधु महात्मा की पुस्तक से लिया गया है ! लेकिन आश्चर्य है कि यह कथन डॉ.हर्बर्ट बेन्सन का है!और हाँ, अब उन वैज्ञानिकों से हटकर महर्षि वेदव्यासजी की ओर लौटते हैं। जिन्होंने श्रीमद्भागवत में कहा है- जिनकी जीभ पर दो अक्षर ÷हरि÷ रहते हैं, वे सभी तीर्थों का पुण्य, सभी वेदों का अध्ययन और सभी यज्ञों की दक्षिणा का पुण्य प्राप्त करता है! (6-2-578)

यह हो सकता है कि ऐसी भाषा हमें धार्मिक लगती हो, परन्तु ऐसी आदतों के सारे परिणाम वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुके हैं, उसे बताने के लिए ही यहाँ अनेक विदेशी विचारकों को याद करना पड़ा है।

मित्रों, हम 'उसको' याद करते रहें, जिसे याद किया जाना अनिवार्य हो, तो शायद परिणाम देनेवाले भगवान भी हमारा नाम अपनी सूची में सबसे ऊंचे क्रम में रख देंगे...

आइए, हम संतों को ऐसा कुछ कहकर हमें फटकारने का मौका न दें-
तू नाम जपन क्यों छोड़ दिया, लोभ न छोड़ा, क्रोध न छोड़ा,
सत्यवचन क्यों छोड़ दिया!

यदि हमें मन की शांति के लिए इतना सटीक, परिणामलक्षी और प्रभावी उपाय मुफ्त में मिल रहा है, तो उसे न अपनाकर मानसिक रोगों के डॉक्टरों के पास जाने का मतलब यही होगा, कि हम अब भी भारतीय मंत्रविज्ञान के रहस्यों को समझने के लिए थोड़े से भी गंभीर नहीं हैं...

लेखक-हरिकृष्ण शास्त्री सुरत, गुजरात

प्लायवुड कंपनी में अटैच करने के नाम पर ट्रक लेकर फरार हो गए आरोपी 3 साल बाद पुलिस की गिरफ्त में

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्लायवुड कंपनी में ट्रक अटैच करने का झांसा देकर ठिकाने लगाने वाले दो आरोपी 3 साल बाद पुलिस की गिरफ्त में आए हैं। जिनसे 5 दिन की रिमांड पर पूछताछ की जा रही है। 2021 में मामला दर्ज होने के बाद गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका था। दूसरा अग्रिम जमानत पर है।

चिमनगंज थाना एसआई सचिंद्र सिंह सेंधव ने बताया कि 2019-20 में इंदिरा नगर के रहने वाले भगवानसिंह और तीन अन्य लोगों के 8 ट्रक कुछ शातिर बदमाशों ने प्लायवुड कंपनी में अटैच करने के नाम पर लिए थे। बदले में 80 हजार से 1.20 लाख रुपए प्रतिमाह देने का एग्रीमेंट भी कराया था। लेकिन शातिर बदमाश ट्रक लेकर फरार हो गए थे। भगवानसिंह की शिकायत पर 2021 में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया गया था और राजस्थान के बारां में रहने वाले दिलशाद को गिरफ्तार किया गया था। जिसकी निशानदेही पर एक ट्रक बरामद किया गया था, पूछताछ में उसने अपने गिरोह के साथियों की जानकारी दी थी लेकिन सभी फरार होना सामने आए थे। दिलशाद को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया था। मामले की जांच लगातार जारी थी और फरार आरोपियों को तलाशा जा रहा था। 3 साल बाद धोखाधड़ी के मामले में फरार चल रहे जहाजपुर भीलवाड़ा के रहने वाले आमीन और महू के रहने वाले आसिफ को गिरफ्तार किया गया है। आसिफ पूर्व में जूना सोमवारिया का रहने वाला था। एसआई सेंधव के अनुसार दोनों को 5 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में एक आरोपी इरफान न्यायालय से अग्रिम जमानत ले आया। आरोपियों के गिरोह में एक महिला भी शामिल है।

शराब तस्करी में बिहार पुलिस ने पकड़े तीन ट्रक

अब तक गिरफ्त में आए आरोपियों ने पूछताछ में कबूल किया है कि झांसा देकर ट्रक को पहले राजस्थान ले जाया जाता था जहां से दिल्ली और उसके बाद अवैध शराब तस्करी में बिहार तक पहुंचाया जाता था। उज्जैन से झांसा देकर लिए गए तीन ट्रक बिहार पुलिस ने अवैध शराब के साथ जप्त कर लिए हैं। चिमनगंज थाना पुलिस ने बिहार के अलग-अलग थानों से उक्त ट्रकों के संबंध में पूछताछ की तो सामने आया कि लाखों की शराब के साथ ट्रक जप्त किए गए हैं। एसआई सेंधव ने बताया कि आरोपियों द्वारा धोखाधड़ी कर लिए गए 8 ट्रकों में से चार की जानकारी सामने आ चुकी है। चार ट्रक के संबंध में रिमांड पर लिए गए आरोपियों से पूछताछ जारी है।

अ.जा., अ.ज.जा. अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय मॉनीटरिंग समिति की बैठक 28 मार्च को

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला संयोजक आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत गठित जिला स्तरीय मॉनीटरिंग समिति की बैठक कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में 28 मार्च मंगलवार को शाम 4 बजे प्रशासकीय संकुल भवन के सभाकक्ष में आयोजित की जायेगी। बैठक में अत्याचार राहत प्रकरणों की समीक्षा, विशेष न्यायालय में चल रहे प्रकरणों की समीक्षा, पीड़ित व्यक्तियों को यात्रा भत्ता एवं दैनिक मजदूरी देने के सम्बन्ध में एवं अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

जनजागरण के माध्यम से टीबी जैसी जानलेवा बीमारी से बचा जा सकता है- महापौर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। 24 मार्च विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस पर टीबी को रोकथाम को लेकर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री पारसचन्द्र जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल, सीएमएचओ डॉ संजय शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

शुक्रवार को जिला चिकित्सालय में विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीबी के रोकथाम के लिए राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा टीबी जैसी जानलेवा बीमारी के संबंध में जानकारी देते हुए उसके लक्षण एवं रोकथाम के बारे में बताया गया। कार्यक्रम को विधायक श्री पारसचन्द्र जैन एवं महापौर श्री मुकेश टटवाल ने भी संबोधित करते हुए कहां कि जनजागरण के माध्यम से टीबी जैसी जानलेवा बीमारी को रोका जा सकता है, नागरिकों को टीबी के लक्षण की जानकारी यदी रहेगी तो वे समय रहते चिकित्सक से संपर्क कर उसका उपचार समय पर करवा सकेंगे इसलिए हमे प्रयास करना चाहिए की नागरिकों तक ऐसी जानलेवा बीमारी से रोकथाम की जानकारी पहुंचे। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम में भाग लेने वाले सर्वे वॉलिंटियर्स को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया गया।

मौसम: बादलों ने बढ़ाई उमस, फिर बिगड़ने लगा स्वास्थ्य

पश्चिमी विक्षोभ के चलते तापमान में बना हुआ है उतार-चढ़ाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता आमजन के लिये परेशानी बन गई है। एक बार फिर मौसम में बदलवा से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता दिखाई दे रहा है। अस्पतालों में भीड़ लग रही है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि एक बार फिर बारिश और ओलावृष्टि हो सकती है।

मार्च माह की शुरुआत होने पर लगा था कि गर्मी अपना असर दिखाएगी, इस बीच पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के साथ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से मिली नमी ने मौसम का मिजाज बदलकर रख दिया था। बारिश, ओलावृष्टि ने किसानों को परेशानी में डाल दिया था। माह का दूसरा सप्ताह समाप्त होता एक नया सिस्टम सक्रिय हो गया, जिससे आमजन के स्वास्थ्य पर काफी असर पड़ता दिखाई। अब अंतिम सप्ताह में भी मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ का नया सिस्टम सक्रिय होना बताया है। जिसके चलते 2 दिनों से आसमान में बादल छाए हुए है। तेज धूप निकल रही है, लेकिन उमस महसूस होने लगी। जिससे लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ता दिखाई देने लगा। शुक्रवार को दिनभर धूप-छांव का वातावरण बना रहा और लोगों को दिक्कते होती रही। जीवाजीराव वेधशाला के अनुसार गुरुवार शुक्रवार रात न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आई थी। इससे पहले तापमान 19 डिग्री पहुंच गया था। अधिकतम तापमान में 0.5 डिग्री का उछाल आया है। 20 मार्च को तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया था, उसके बाद से लगातार तेजी आ रही है। वेधशाला अधीक्षक की माने तो मार्च माह में अधिकतम तापमान सामन्य से कम बना हुआ है। इससे पहले मार्च माह में तापमान 35 डिग्री के आसपास दर्ज होता रहा है।

सुबह 2 शाम को 8 किमी से चल रही हवा

मौसम में बदलवा के चलते हवा की र तार भी बदलती दिखाई दे रही है। सुबह 2 किलोमीटर प्रतिघंटे से तो शाम को 8 किलोमीटर प्रतिघंटे की बनी हुई है। कभी दक्षिण-पूर्वी तो कभी उत्तर-दक्षिणी हवा चल रही है। जिसके चलते ठंडक-गर्मी से बच्चों में सर्दी-जुखाम का वायरल बढ़ रहा है। 2 दिन पहले हवा की गति जीरों हो गई थी, जिससे रात के तापमान में तेजी आई थी और कूलर-पंखे की र तार तेज हुई थी, जो अब थमी हुई है।

खेतों में 30 प्रतिशत फसल की कटाई

डूपश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के बीच बारिश-ओलावृष्टि से किसानों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। मौसम में सुधार होते ही खेतों में खड़ी गेहूं-चने की फसल काटने का काम तेजी से चल रहा है। अब खेतों में 30 प्रतिशत फसल खड़ी दिखाई दे रही है। अधिकांश किसानों ने फसल कटाई का काम पूरा कर लिया है। जिसके चलते कृषि उपज मंडी में प्रतिदिन सौ से अधिक ट्रेक्टर-ट्राली पहुंच रही है।

विश्व क्षय दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर निकाली गई जनजागृति रैली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस के अवसर पर जिला क्षय केन्द्र, जिला चिकित्सालय उज्जैन मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक श्री पारस जैन व महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा नोबल प्राईज विजेता राबर्ट कोच के चित्र व सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ.संजय शर्मा सी.एम.एच.ओ., डॉ.एस.के.अखण्ड जिला स्वास्थ्य अधिकारी, डॉ.भोजराज शर्मा आर.एम.ओ. जिला चिकित्सालय, डॉ.रेणुका डामोर जिला क्षय अधिकारी सहित विभाग के विभिन्न अधिकारी कर्मचारी, एन.सी.सी. वालंटियर, जी.आर.एम.ए इंडिया एवं एन.टी.ई.पी. कर्मचारी, रेडिया दस्तक 90.8 एफ.एम. के कर्मचारी उपस्थित थे।

विश्व क्षय दिवस के अवसर पर आम लोगो मे टीबी रोग के प्रति जनजागृति हेतु रैली का भी आयोजन जिला क्षय केन्द्र जिला चिकित्सालय से किया गया रैली का शुभारंभ शुभारंभ विधायक श्री पारस जैन व महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली जिला क्षय केन्द्र जिला चिकित्सालय उज्जैन से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए शहीद पार्क, फ्रीगंज उज्जैन पर समाप्त हुई। रैली मे विभागीय अधिकारी, कर्मचारी सहित नर्सिग महाविद्यालय की छात्राऐ, भारतीय ज्ञानपीठ स्कूल के विद्यार्थी भी शामिल हुए।

इस अवसर पर विधायक श्री जैन द्वारा टीबी यूनिट उज्जैन 6 के टीबी मरीजो फूड बास्केट; निक्षय पोषण किट का वितरण किया गया। श्री जैन द्वारा उनकी बहू के नाम से एक टीबी मरीज को 6 माह के लिए पोषण सहायता हेतु 3600 रु राशि प्रदान की गयी। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत ष्टस्क्र जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी, कर्मचारी एवं सामान्य व्यक्ति निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को टीबी के उपचार तक प्रतिमाह फ़ूड बास्केट देने हेतु निक्षय सॉफ्टवेयर मे स्वयं अपने आप को पंजीकृत कर टीबी मरीजों की सहायता दे सकते है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय शर्मा द्वारा बताया गया की जिले को सब नेशनल सर्टिफिकेशन सर्वे मे गोल्ड केटेगरी के लिए नॉमिनेट किया गयाहै। सर्वे मे 10 हजार एक सो 76 हाउस होल्ड का सर्वे किया गयाए 45 हजार 9 सो 38 लोगों का इंटरव्यू किया गया एवं 1356 संभावित टीबी मरीजों के स्पुटम की जांच की गयी जिसमे 6 टीबी मरीज पॉजिटिव मिले एवं एन.एन.सी. सर्वे मे उत्क्रष्ट कार्य के लिये वॉलंटियर को प्रशस्ति.पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

वर्ष 2022 में उज्जैन जिले को राज्य स्तर से 83325 जाँच का लक्ष्य दिया गया था जिसमे से 65000 जांच की गयी एवं 5008 टीबी के केस नोटिफाइड किये गये। वर्तमान मे उज्जैन जिले मे 2125 टीबी मरीज टीबी की दवाई खा रहे है। 1882 में आज ही के दिन टीबी की बीमारी के लिये जिम्मेदार बेक्टिरिया माईकोबेकटेरियम की खोज की एवं रॉबर्ट कोच को 1905 में इसके लिये नोबल पुररूकार से सम्मानित किया गया था। इसके पहले टीबी को असाध्य बीमारी के रूप में जाना था। रॉबर्ट कोच के सम्मान में टीबी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिये प्रतिवर्ष 24 मार्च को विश्व क्षय दिवस मनाया जाता है।

दुनिया के 27 प्रतिशत टीबी के मरीज भारत में पाये जाते हैं और दो तिहाई टीबी केसेस सिर्फ आठ देशों ;भारत इण्डोनेशिया चाईना फिलिपिंस पाकिस्तान नाईजिरिया दक्षिण अफ्रीका बांग्लादेश में पाये जाते हैं। सबसे राहत की बात यह है कि टीबी का ईलाज पूर्णतः निःशुल्क एवं उपचार योग्य बीमारी है। जिला क्षय अधिकारी रेणुका डामोर द्वारा बताया गया कि आमतौर पर पन्द्रह दिन की खासीए पन्द्रह दिन का बुखार, बलगम में खुन आना, छाती में दर्द, वजन कम होना आदि संभावित टीबी के लक्षण होते हैं। सामान्यतः टीबी फेफडों में पाई जाती है परंतु बाल और नाखुन के अलावा शरीर के किसी भी हिस्से अथवा अंग में टीबी की बीमारी हो सकती है। समय पर सही ईलाज नहीं लेने पर यह जानलेवा रोग हो सकता है। एक अनुउपचारित क्षय रोगी एक वर्ष में पन्द्रह स्वस्थ्य लोगों को टीबी से ग्रसित कर सकता है।

स्वच्छता के प्रति जागरूक हो रहे हैं नागरिक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर को साफ, स्वच्छ एवं सुन्दर बनाए रखने हेतु नगर निगम द्वारा निरंतर प्रयास किये जा रहे है। वार्डो की सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से वार्डो की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जाकर सफाई कर्मचारियों का मार्गदर्शन किया जा रहा है। नागरिकों को स्वच्छता के प्रति प्रेरित किये जाने हेतु निगम को सहयोगी संस्था के सदस्यों द्वारा भी विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर गीला एवं सुखा कचरा पृथक पृथक रखने, घर से निकलने वाले कचरे को कलेक्शन वाहन में ही डालने, गीले कचरे से होम कम्पोस्टिंग के माध्यम से खाद् तैयार करने की जानकारी दी जा रही है साथ ही निगम के यूएमसी सेवा एप की जानकारी भी सहयोगी संस्था के सदस्यों द्वारा नागरिकों को दी जाकर एप डाउनलोड करवाया जा रहा है।

निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर भी जनजागरण किया जा रहा है जिसका परिणाम यह है कि विवाह एवं अन्य समारोह में सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर स्टील के बर्तन, लकड़ी के चम्मच, दोना पत्तल आदि का उपयोग हो रहा है। नगर निगम द्वारा अनुपयोंगी सामग्रियों का पुनः उपयोग करते हुए सुन्दर कलाकृतिया बनाई गई है जिन्हे निगम के उद्यानों, रोटरियों में लगाया गया है। वही शहर की बेक लेन गलियों को साफ एवं स्वच्छ करते हुए उनकी रंगाई पुताई करवाते हुए सुन्दर चित्रकारी करवाई गई जहां पर बच्चे द्वारा मनोरंजन करते हुए विभिन्न खेल गतिविधियां की जा रही है।

महापौर श्री मुकेश टटवाल, निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह ने शहर के गणमान्य नागरिकों से अपील की है कि शहर को साफ, स्वच्छ, सुन्दर बनाने में नगर निगम को सहयोग प्रदान करें। नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को बनाये रखने हेतु जो भी प्रयास किये जा रहे है उसमे नागरिकों का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। अतः इस अभियान में अपना सहयोग प्रदान करें, इस हेतु आपको हर कदम स्वच्छता के लिए बढ़ाने की जरुरत है, आपका सहयोग ही शहर को स्वच्छता सर्वेक्षण में उचित पायदान पर ला सकता है।

जिले में नरवाई जलाना प्रतिबंधित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि श्री आरपीएस नायक से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के किसान भाईयों से अपील की जाती है कि गेहूं और अन्य फसलों को काटने के बाद बचे हुए फसल अवशेष (नरवाई) जलाना खेती के लिये आत्मघाती कदम है। वर्तमान में जिले में लगभग गेहूं फसल की कटाई प्रारम्भ हो गई है।

कटाई के पश्चात सामान्य तौर पर किसान भाई नरवाई में आग लगा देते हैं। इससे पर्यावरण में प्रदूषण के साथ-साथ मिट्टी की संरचना भी प्रभावित होती है। उक्त निर्देशों के उल्लंघन किये जान पर सम्बन्धित व्यक्ति/निकाय को नोटिफिकेशन प्रावधान तथा निर्देश अनुसार दो एकड़ से कम भूमि रखने वाले को ढाई हजार रुपये प्रति घटना पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि, दो एकड़ से अधिक किन्तु पांच एकड़ से कम भूमि रखने वाले को पांच हजार रुपये प्रति घटना, पांच एकड़ से अधिक भूमि रखने वाले को 15 हजार रुपये प्रति घटना पर्यावरण क्षतिपूर्ति राशि देय होगी।

कंबाईन हार्वेस्टर से कटाई के उपरांत फसल अवशेषों में आग लगाने की घटनाओं को देखते हुए रबी की कटाई में कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम या ट्रॉ रिपर का उपयोग करके फसल अवशेषों से भूसा प्राप्त किया जा सकता है।

गेहूं एवं अन्य फसलों के कृषि अपशिष्टों को जलाने से होने वाली हानियां

खेत में गेहूं एवं अन्य फसलों के कृषि अपशिष्ट (नरवाई) जलाने से भूमि में उपलब्ध जैव विविधता समाप्त हो जाती है। इसमें उपस्थित सूक्ष्म जीव जलकर नष्ट हो जाते हैं। सूक्ष्म जीवों के नष्ट होने के कारण जैविक खाद का निर्माण बन्द हो जाता है। भूमि की ऊपरी परत में ही पौधों के लिये आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध रहते हैं। आग लगाने के कारण पोषक तत्व जलकर नष्ट हो जाते हैं। भूमि कठोर हो जाती है, जिसके कारण इसकी जलधारण क्षमता कम हो जाती है और फसलें सूखती हैं। खेत की सीमा पर लगे पेड़-पौधे (फल, वृक्ष आदि) जलकर नष्ट हो जाते हैं। पर्यावरण प्रदूषित हो जाता है। वातावरण के तापमान में वृद्धि होती है, जिससे धरती गर्म होती है। कार्बन से नाइट्रोजन तथा फास्फोरस का अनुपात कम हो जाता है। केंचुए नष्ट हो जाते हैं। इस कारण भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो जाती है। इसके अलावा नरवाई जलाने से जन-धन की हानि होती है। उपरोक्त नुकसान से बचने के लिये किसान भाई नरवाई में आग न लगायें।

नरवाई जलाने की अपेक्षा अवशेषों और डंठलों को एकत्रित कर जैविक खाद जैसे भू-नाडेप, वर्मी कम्पोस्ट आदि बनाने में उपयोग किया जाये तो वे बहुत जल्दी सड़कर पोषक तत्वों से भरपूर कृषक स्वयं जैविक खाद बना सकते हैं।

खेत में कल्टीवेटर, रोटावेटर, डिस्कहैरो आदि की सहायता से फसल अवशेषों को भूमि में मिलाने से आने वाली फसलों में जीवांश खाद की बचत की जा सकती है। पशुओं के लिये भूसा और खेत के लिये बहुमूल्य पोषक तत्वों की उपलब्धता बढ़ने के साथ मिट्टी की संरचना को बिगड़ने से बचाया जा सकता है। कंबाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम को सामान्य हार्वेस्टर से गेहूं कटवाने के स्थान पर स्ट्रॉ रिपर एवं हार्वेस्टर का प्रयोग किया जा सकता है। नरवाई में आग लगाने पर पुलिस द्वारा प्रकरण भी कायम किया जा सकता है।

सार समाचार

ब्रिज के नीचे रेलवे पटरी पर लाश मिली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चिंतामण ब्रिज के नीचे रेलवे पटरी पर मिली लाश का मामला आत्महत्या का होना सामने आया है। वृद्ध में ट्रेन के नीचे आकर अपनी जान दी है। परिजनों ने दिमागी रूप से बीमार होना बताया। महाकाल पुलिस ने गुरुवार दोपहर चिंतामन ब्रिज के नीचे एक वृद्ध का शव बरामद किया था। ट्रेन से उसका सिर पूरी तरह से कट चुका था। मृतक के पास मिले दस्तावेज के आधार पर पहचान राजेंद्र वारे के रूप में हुई। इंदौर से आई पुत्री और पत्नी ने बताया कि दिमागी रूप से बीमार थे। 2 साल से पुत्री के साथ इंदौर में रह रहे थे। इसके पहले उज्जैन निजातपुरा में रहते थे। कई बार घर छोड़कर जा चुके थे और वापस लौट आते थे। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है।

सास ससुर से विवाद के बाद दामाद ने जहर खा लिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बेटी को ससुराल लेने आए माता-पिता का दामाद से विवाद हो गया। नौबत मारपीट तक आ गई जिसके बाद दामाद ने जहर खा लिया जिसकी रात 3 बजे मौत हुई है। घटिया तहसील के ग्राम उंडासा में रहने वाले रोहित पिता भादर सिंह को परिजन देर शाम उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। रोहित ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। सूचना मिलने पर पुलिस बयान दर्ज करने पहुंची। रोहित ने बताया कि पत्नी अंजलि को लेने उसके पिता राधेश्याम और मां घर आई थी। जहां पत्नी को भेजने की बात पर विवाद हो गया। सास ससुर ने उसके साथ मारपीट की। इसी बात से दुखी होकर उसने जहर खाया है। डॉक्टरों ने रोहित की हालत गंभीर होना बताई थी और आईसीयू में भर्ती किया था जहां रात 3 बजे मौत हो गई। आज सुबह पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

अज्ञात वाहन ने वृद्ध को टक्कर मार दी उपचार के दौरान हुई मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दूध डेरी जा रहे वृद्ध को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। वृद्ध को जिला अस्पताल लाया गया लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी।राघवी थाना क्षेत्र के ग्राम आक्या जस्सा में रहने वाला शंभू पिता गणपत सिंह 55 वर्ष दूध डेरी का व्यवसाय करता था। बीती शाम गांव से डेरी के लिए घोंसला जा रहा था रास्ते में पेट्रोल पंप के सामने अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर घायल हुए शंभू को लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर सुबह पोस्टमार्टम कराया है अज्ञात वाहन की तलाश में घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जाएंगे।

रिश्वत लेते पकड़ाया औद्योगिक विकास निगम का टाइम कीपर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के मक्सी कार्यालय में पदस्थ टाइम कीपर आर एस राठौर ?25000 रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया- आवेदक श्री सुशील सेठी निवासी इंदौर द्वारा दिनांक 24. 3 .23 को प्रातः पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त संगठन उज्जैन संभाग श्री अनिल विश्वकर्मा को आवेदन प्रस्तुत कर शिकायत की कि मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम के मक्सी कार्यालय में पदस्थ टाइम कीपर श्री आर एस राठौड़ द्वारा उन्हें उद्योग हेतु आवंटित प्लॉट बेचने मैं अड़चन पहुंचाई जा रही है. उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा अपनी पत्नी के नाम वर्ष 2020 में 11000 वर्ग फिट का प्लाट क्रमांक 80 उद्योग लगाने हेतु आवंटित कराया था .कोविड-19 के कारण उद्योग नहीं लगा पाया तो उसे बेचने का प्लान किया. प्लॉट का अतिक्रमण हटाने एवं आवंटन निरस्त करने संबंधी नोटिस को फाइल कराने एवं प्लाट बिक्री में कोई बाधा नहीं पहुंचाने के लिए ?50000 की मांग टाइम कीपर राठौर द्वारा की जा रही है .इस पर से गोपनीय रूप से सत्यापन कराया गया. आवेदक को और बातचीत करने मक्सी भेजा गया तो बातचीत में राठौर 25000 अभी एवं बाकी राशि बाद में लेने को सहमत हो गया. टाइम कीपर राठौर द्वारा शाम 7ः30 बजे इंदौर रोड स्थित व्यंकटेश धर्म कांटे पर रिश्वत की राशि लेकर आवेदक को बुलाया तो वहां पर तैनात लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने टाइमकीपर राठौर को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन समिति की बैठक 28 मार्च को होगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीईओ जिला पंचायत सुश्री अंकिता धाकरे द्वारा जानकारी दी गई कि जिला पंचायत की सामान्य प्रशासन स्थाई समिति की बैठक मंगलवार 28 मार्च को दोपहर 2.30 बजे जिला पंचायत के सभाकक्ष में होगी। बैठक में जिला पंचायत के वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रस्तावित बजट, जिला पंचायत के वित्तीय वर्ष 2021-22 के चतुर्थ त्रैमास के आय-व्यय, जिला पंचायत के वित्तीय वर्ष 2022-23 के प्रथम, द्वितीय और तृतीय त्रैमास के आय-व्यय, जिला पंचायत अन्तर्गत कलेक्टर दर पर कार्यरत सफाईकर्मी के पारिश्रमिक वृद्धि का अनुमोदन, जिला पंचायत की पदोन्नति समिति का गठन और अन्य विषयों पर चर्चा की जायेगी।

भारतीय वायु सेना अग्निवीर भर्ती की अन्तिम तिथि 31 मार्च

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रभारी जिला रोजगार अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि भारतीय वायुसेना अग्निवीर भर्ती के लिये विज्ञापन जारी किया गया है। इसमें ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि आगामी 31 मार्च निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक वेब साइट agnipath-vayu.cdac.in पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं। युवा जिनका जन्म 26.12.2002 से 26.06.2006 के मध्य हुआ है, आवेदन करने के लिये पात्र हैं। शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धी जानकारी विज्ञापन या भारतीय वायु सेना भर्ती की उपरोक्त वेब साइट से प्राप्त की जा सकती है। सम्बन्धित लिंक एमपी रोजगार पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

वनस्टॉप सेन्टर का स्थान परिवर्तित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वनस्टॉप सेन्टर (सखी) कार्यालय के प्रशासक द्वारा जानकारी दी गई कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित वनस्टॉप सेन्टर का स्थान परिवर्तन धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सालय उज्जैन के सामने हो गया है। वर्तमान में वनस्टॉप सेन्टर की सेवाएं यहीं से संचालित हो रही है।

शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय की साधारण सभा की बैठक आज

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।शासकीय स्वशासी धन्वंतरि आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा जानकारी दी गई कि महाविद्यालय की साधारण सभा (जनरल काउंसिल) की बैठक शनिवार 25 मार्च को शाम 4 बजे मंगलनाथ मार्ग स्थित महाविद्यालय परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की जायेगी। बैठक में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शिक्षकों की जानकारी, विगत बैठक का कार्यवाही विवरण, आगामी 31 मार्च को समाप्त होने वाले बजट की जानकारी, प्रस्तावित वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट प्रावधान पर चर्चा, विगत कार्यकारिणी समिति की बैठक और परिभ्रमण पद्धति से सम्पन्न कार्यकारिणी समिति की बैठक में पारित निर्णयों की संपुष्टि और अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया जायेगा।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)